RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

# माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com


**सुविचार**

खुद पर हो विश्वास और ईश्वर में हो आस्था फिर कितनी भी आ जाए मुश्किलें मिल ही जाता है रास्ता!

बीके शिवानी


वर्ष-04, अंक - 50 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 15 सितम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए


## प्रधानमंत्री मोदी ने हिंदी दिवस पर दी बधाई

### हिंदी को लेकर फैलाई जा रही अफवाह- अमित शाह

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि, हिंदी भाषा प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि देश की अन्य सभी भाषाओं की ÷मित्र÷ है। अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में बोलते हुए, गृह मंत्री ने कहा कुछ लोग यह अफवाह फैला रहे हैं कि हिंदी और गुजराती, हिंदी और तमिल, हिंदी और मराठी प्रतिस्पर्धी हैं। हिन्दी देश की किसी अन्य भाषा की प्रतियोगी नहीं हो सकती। आपको यह समझना चाहिए कि हिंदी देश की सभी भाषाओं की मित्र है। शाह की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब दक्षिण भारत के राज्यों में तीखी बहस चल रही है कि केंद्र देश के गैर-हिंदी भाषी लोगों पर हिंदी थोपने की कोशिश कर रहा है। शाह ने कहा कि हिन्दी एक राजभाषा के रूप में पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस अवसर पर लोगों को बधाई दी और कहा कि, हिंदी की सादगी, सरलता, सहजता और संवेदनशीलता लोगों को आकर्षित करती है। पीएम मोदी ने एक ट्वीट में कहा, हिंदी ने दुनिया भर में भारत के लिए विशेष सम्मान लाया है। इसकी सादगी, सहजता और संवेदनशीलता हमेशा आकर्षित करती है। हिंदी दिवस पर, मैं उन सभी लोगों को हार्दिक बधाई देता हूं जिन्होंने इसे समृद्ध और सशक्त बनाने में अथक योगदान दिया है।

शाह ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हिंदी सहित सभी स्थानीय भाषाओं के ÷समानांतर विकास÷ के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाषाओं के सह-अस्तित्व को स्वीकार करने की आवश्यकता है। साथ ही इसके शब्दकोश का विस्तार करने के लिए अन्य भाषाओं के शब्दों को लेकर हिंदी को लचीला बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

#### अन्य भाषाओं की मित्र हिन्दी

अमित शाह ने कहा, मैं एक बात बहुत स्पष्ट कर देना चाहता हूं। कुछ लोग यह अफवाह फैला रहे हैं कि हिंदी और गुजराती, हिंदी और तमिल, हिंदी और मराठी प्रतिस्पर्धी हैं। हिन्दी देश की किसी अन्य भाषा की प्रतियोगी नहीं हो सकती। आपको यह समझना चाहिए कि हिंदी देश की सभी भाषाओं की मित्र है।

## सरकार आरक्षण के हिसाब से कर सकती है भर्ती- हाई कोर्ट

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के जबलपुर हाईकोर्ट ने ओबीसी आरक्षण मामले में अहम टिप्पणी करते हुए सरकार से सवाल किया। कोर्ट ने पूछा कि, आखिर सरकार को ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने से किसने रोका हुआ है। कोर्ट ने सरकार को कहा कि आखिर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के हिसाब से भर्ती क्यों नहीं कर रही है? हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा कि, वे चाहे तो आरक्षण लागू कर भर्तियां कर सकती है।

दरअसल, डबल बेंच ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में लगी याचिकाओं के पेपर बुक का अध्ययन किया। जिसमें पाया कि यह मामला 2014 से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए हाईकोर्ट द्वारा इस मामले में कोई सुनवाई नहीं हो सकती। हाई कोर्ट ने सरकार से कहा है कि, ओबीसी आरक्षण मामले को लेकर पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में तीन याचिका लगी हुई है। जब तक सुप्रीम कोर्ट से इस मामले निपटारा नहीं हो जाता, तब तक हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं की जा सकती।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश देते हुए कहा है कि, ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में लगी याचिका का राज्य सरकार जल्द से जल्द निपटारा करवाएं। जिसके बाद हाईकोर्ट ने इस मामले के निपटारे के लिए राज्य सरकार को 4 सप्ताह का समय दिया है। वहीं राज्य सरकार द्वारा नियुक्त विशेष अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि

हाईकोर्ट द्वारा जारी अंतरिम समस्त आदेशों को मोडीफाई किया जाए। साथ ही प्रदेश में पिछले 4 वर्षों से रुकी हुई भर्तियों और शिक्षकों के खाली लगभग एक लाख से ज्यादा पदों पर नियुक्ति के आदेश दिए जाए।

जिसके बाद न्यायालय द्वारा अपने पूर्व के आदेश का अवलोकन किया गया। जिसमें कोर्ट ने पाया कि, न्यायलय द्वारा किसी भी भर्ती पर रोक नहीं लगाई गई है। कोर्ट ने कहा कि शासन याचिकाओं के निर्णयाधीन मौजूदा आरक्षण के नियमानुसार नियुक्तियां कर सकता है। विशेष अधिवक्तों के तर्कों के बाद कोर्ट ने इंद्रा शाहनी के फैसले का और संविधान के अनुछेद 16 का हवाला दिया तब विशेष अधिवक्ताओं ने कोर्ट को बताया कि इंद्रा शाहनी के 900 पृष्ठ के फैसले में कही भी संविधान के अनुच्छेद 16 की व्याख्या/इन्टरपिटेशन नहीं किया गया है। इसलिए इस न्यायालय को विधि और संविधान के प्रावधानों के विपरीत आदेश जारी करने का अधिकार नहीं है।

## स्वामी को जल्द खाली करना होगा सरकारी घर

**नई दिल्ली।** भाजपा नेता सुब्रमण्यन स्वामी को दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली स्थित सरकारी आवास खाली करने के लिए 6 सप्ताह का वक्त दिया है। स्वामी को यह आवास 2016 में सुरक्षा के खतरे के इनपुट के आधार पर दिया गया था। अब सरकार का कहना है कि, वह उन लोगों को आवास देने के लिए उत्तरदायी नहीं है, जिनके सिक्योरिटी कवर को कुछ और वक्त के लिए बढ़ाया गया है। केंद्र सरकार के वकील का पक्ष सुनने के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा ने कहा कि, स्वामी ने ऐसी कोई जानकारी नहीं दी है, जिससे यह पता चले कि उन्हें क्यों सरकारी आवास की जरूरत है। सुब्रमण्यन स्वामी को जेड सिक्योरिटी कवर दिया गया है।

सुब्रमण्यन स्वामी को 15 जनवरी 2016 को सरकारी आवास आवंटित किया गया था। इसके लिए 5 वर्ष की अवधि समाप्त हो गई थी और उसके बाद स्वामी ने इसके टाइम को बढ़ाने की मांग की थी। इस पर केंद्र सरकार की ओर से जवाब दिया गया कि, वह अब आवास मुहैया नहीं कराएगी।

होम मिनिस्ट्री की ओर से पेश अडिशनल सॉलिसिटर जनरल संजय जैन ने अदालत को बताया कि, सरकार आवास का टाइम नहीं बढ़ाना चाहती। स्वामी को जो सुरक्षा मुहैया कराई गई है। वह अब उनके निजामुद्दीन ईस्ट स्थित आवास पर दी जाएगी। सुब्रमण्यन स्वामी का राज्यसभा कार्यकाल भी 24 अप्रैल 2022 को समाप्त हो गया था। वह उच्च सदन के सदस्य थे, इसलिए वह सरकारी घर के आवंटन की सीमा समाप्त होने के बाद भी उसमें रह रहे थे, लेकिन अब सरकार टाइम बढ़ाने के मूड में नहीं है। जैन ने बताया कि सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत आवास में स्वामी के निवास को अधिकृत करार दिया गया है। इसके बाद भी उनके खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं लिया गया क्योंकि उनकी याचिका हाई कोर्ट में लंबित थी। उन्होंने कहा कि, केंद्रीय मंत्रियों और दिल्ली हाई कोर्ट के जजों को आवास की जरूरत है। इस पर अदालत ने आदेश दिया कि सुब्रमण्यन स्वामी को अगले 6 सप्ताह के अंदर आवास को खाली करना होगा।

## अंदरूनी कलह से जूझ रही टीएमसी- रविशंकर प्रसाद

**नई दिल्ली।**

भाजपा ने बंगाल में अपने प्रदर्शन के दौरान ममता बेनर्जी सरकार पर पुलिसिया अत्याचार करने का आरोप लगाया है। सीनियर नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि, जो भी नेता इस तरह से विपक्ष को कुचलने का प्रयास करते हैं और उन्हें जेल में डालते हैं, जनता उनसे हिसाब लेती है। आपकी पूर्व पार्टी की नेता इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था और उसका अंजाम भुगतना पड़ा था। ममता जी आपने तो सीपीएम के राज में इसका सामना किया था, लेकिन आप तो उनसे भी आगे बढ़ गई हैं। यह आपका असली स्वभाव नहीं दिख रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, आप तीन बार की सीएम हैं, लेकिन पता नहीं आपको क्या हो गया है। जो व्यक्ति खुद लेफ्ट के अत्याचार से लड़ा हो, वह यदि भाजपा पर उससे भी ज्यादा अत्याचार कर रहा हो तो कुछ समझ में आता है।

उन्होंने कहा कि, क्या यह टीएमसी की आपसी गुटबाजी के चलते ऐसा हो रहा है। शायद टीएमसी में गुटबाजी से ध्यान हटाने के लिए विपक्ष पर पुलिसिया अत्याचार किया जा रहा है। आपकी सरकार जितना भाजपा पर अत्याचार करेगी, वह उतना ही आगे बढ़ेगी। मैं जेपी मूवमेंट का एक सिपाही रहा हूं। उस दौरान हम छात्र थे। तब जेपी को रोकने के लिए इंदिरा ने बहुत सी कोशिशें की थीं, लेकिन उस कारवां को रोक नहीं पाईं। उन्होंने कहा कि बंगाल में लेफ्ट और कांग्रेस तो साफ हो गई, लेकिन भाजपा 77 तक पहुंच गई। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि, मैं शुभेंदु अधिकारी, राहुल सिन्हा, दिलीप घोष समेत सभी नेताओं का सम्मान करता हूं, जिन्होंने इस अत्याचार के आगे हिम्मत दिखाई।

#### हावड़ा ब्रिज पर रोका गया ट्रैफिक

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि, हावड़ा ब्रिज को भी रोक लिया गया। इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ, जब ट्रैफिक को ही रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रदर्शन के दौरान महिलाओं को भी पीटा गया है। उन्होंने कहा कि हमारे एक हजार कार्यकर्ता घायल हैं और 400 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। भाजपा के 30 कार्यकर्ता अब भी अस्पताल में हैं, जिन्हें गंभीर चोटें लगी हैं। उन्होंने कहा कि, बंगाल में कानून का राज नहीं है, लेकिन भाजपा की आवाज भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं रुकेगी और हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

#### नीतीश पर भी बरसे प्रसाद

भाजपा नेता ने नीतीश कुमार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि, नए दोस्तों की संगत में आते ही आपको क्या होगा। आरजेडी के मंत्री के बेटे कह रहे हैं कि मेरी सरकार चोरों की है और मैं उसका सरगना हूं। भाजपा के साथ तो आप बहुत गुस्सा हो जाते थे, यह हम भी जानते हैं। आप इतने गुस्से में आ जाते थे कि कोई बात अच्छी नहीं लगी तो दिल्ली भी नहीं आते थे। राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भी नहीं आए थे।

## देश भर में महिलाएं सिर पर कपड़ा पहन रहीं, दिमाग पर नहीं- ओवेसी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वाराणसी में ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी मामले के विचार योग्य होने को चुनौती देने वाली अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की याचिका के निचली अदालत द्वारा खारिज किए जाने के फैसले पर एआईएमआईएम के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि, ये बहुत ही गलत फैसला है। उम्मीद है कि कमेटी इस फैसले पर अपील करेगी। दूसरी ओर हिजाब विवाद पर ओवैसी ने कहा कि महिलाएं सिर पर कपड़ा पहन रही हैं, दिमाग पर नहीं।

जयपुर में हिजाब विवाद पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता ओवैसी ने कहा कि, हिजाब मुसलमानों के लिए एक आवश्यक धार्मिक प्रथा है और संस्कृति पर हमारा अधिकार है। अगर सरकारी स्कूल अन्य धार्मिक प्रतीकों की अनुमति दे रहे हैं, तो इसके साथ ऐसा क्यों नहीं किया जा रहा। यह महिलाओं का अपना अधिकार है। महिलाएं सिर पर कपड़ा पहन रही हैं, दिमाग पर नहीं उन्होंने कहा कि, हिजाब पहनने वाले को रोकना नहीं चाहिए। किसी के अधिकार को रोकना गलत है।

ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी मामले पर कोर्ट के फैसले पर ओवैसी ने कहा कि ये बहुत गलत फैसला है। आने वाले समय में ये बहुत मामले खोल देगा। उम्मीद है कि, यह कमिटी इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करेगी।

## पंजाब के 10 विधायकों से भाजपा ने किया संपर्क- अरविंद केजरीवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर भाजपा पर बड़ा हमला किया है। केजरीवाल ने दावा किया है कि, भाजपा ने पंजाब के दस आप विधायकों से संपर्क किया और उनको खरीदने की कोशिश की, लेकिन वह नाकाम रहें। केजरीवाल ने कहा कि, भाजपा देश भर में दूसरी पार्टियों के विधायकों को खरीदकर सरकार गिराने का काम करती है।

यह दूसरा मौका है जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीधे-सीधे भाजपा पर आम आदमी पार्टी के विधायकों को खरीदने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। इसके पहले दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली में आप विधायकों को खरीदने का आरोप लगाया था।

पहली बार आम आदमी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 'किसी भी तरह' से दिल्ली सरकार गिराने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। दावा किया था कि, भारतीय जनता पार्टी ने उसके चार विधायकों से संपर्क कर पाला बदलने के लिए उन्हें 20 करोड़ रुपए की पेशकश की। इसको लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आप विधायकों की बैठक भी बुलाई थी। इसके बाद केजरीवाल ने विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पास किया था।

## चावल के बढ़ेंगे दाम, निर्यात में आएगी 25 फीसदी की कमी

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

भारत ने पिछले दिनों टूटे चावल के निर्यात पर बैन लगा दिया था। इसके अलावा कई अन्य किस्मों के निर्यात पर टैक्स को 20 फीसदी तक कर दिया है। इससे बाजार में भारतीय चावल की कीमतें बढ़ गई हैं और दुनिया भर में संकट गहराने की आशंका है। एशियाई देशों समेत दुनिया के कई मुल्कों ने भारत की बजाय अब चावल खरीद के लिए दूसरे देशों का रुख करना शुरू कर दिया है। लेकिन संकट यह है कि दूसरे देशों ने हालात का फायदा उठाते हुए ज्यादा कीमत वसूलनी शुरू की है। वहीं इस साल भारत के चावल एक्सपोर्ट में 25 फीसदी तक की कमी आने की संभावना है।

#### एक्सपोर्ट होगा कम

भारत सरकार ने बैन और टैक्स में इजाफे का फैसला लेते हुए कहा था कि, देश में इस बार बुवाई कम हुई है और लेट भी है। इसलिए घरेलू स्तर पर संकट से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है। राइस एक्सपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष बीवी कृष्ण राव ने कहा, कस्टम ड्यूटी में इजाफे से भारत का चावल महंगा हो गया है। इस वर्ष एक्सपोर्ट में 5 मिलियन टन तक की कमी आ सकती है। इस वर्ष भारत से चावल के निर्यात का आंकड़ा 16.2 मिलियन टन तक ही सीमित रह सकता है। बता दें कि बीते वित्त वर्ष में भारत से चावल का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए 21.2 मिलियन टन हो गया था।

#### 5 दिनों में तेजी से आया उछाल

भारत का चावल निर्यात भारत के बाद आने वाले 4 अन्य देशों के कुल आयात से भी ज्यादा था। भारत के बाद थाईलैंड, वियतनाम, पाकिस्तान और अमेरिका चावल के सबसे बड़े निर्यातक देशों में हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि, भारत के फैसले की वजह से एशिया समेत दुनिया भर के बाजारों में चावल की कीमत बढ़ जाएगी। भारतीय बैन के 5 दिनों में ही कीमतों में चार से 5 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। आने वाले दिनों में यह और ज्यादा हो सकता है। भारत के बैन के बाद वियतनाम और थाईलैंड जैसे देशों ने वाइट राइस की कीमत में बढ़ोतरी कर दी है।

#### जून में एक्सपोर्ट पर लगा था बैन

भारत ने जून में गेहूं के एक्सपोर्ट पर भी रोक लगा दी थी, जिस पर यूरोपियन यूनियन समेत कई देशों ने ऐतराज जताया था। लेकिन भारत ने जवाब देते हुए कहा था कि, अमीर देश खाद्यान्न की खरीद कर लेते हैं और फिर गरीब देशों की जरूरत पर उन्हें नहीं मिल पाता। भारत ने कहा था कि हमने अपने और पड़ोसी देशों की खाद्य सुरक्षा के लिए यह फैसला लिया है।

## विधायक निकले कांग्रेस छोड़ो, भाजपा को जोड़ो अभियान पर

**पणजी, एजेंसी।**

गोवा में कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। आठ विधायकों ने पार्टी छोड़ दी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी खेमे में अपने गुट का विलय कर लिया। अब कांग्रेस के पास यहां सिर्फ तीन विधायक ही शेष बचे हैं। इस बीच कांग्रेस पार्टी के नेता पवन खेड़ा ने निदा फाजली की एक कविता का सहारा लेते हुए इसे भाजपा का 'ऑपरेशन कीचड़' करार दिया है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने भी इसको लेकर तंज कसा है।

पवन खेड़ा ट्विटर पर लिखा, सुना है भारत जोड़ो यात्रा से बौखलाई भाजपा ने गोवा में ऑपरेशन कीचड़ आयोजित किया है।

इसी ट्वीट में खेड़ा निदा फाजली की एक कविता शेयर कि, सफ़र में धूप तो होगी जो चल सको तो चलो...

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, जो भारत जोड़ने के इस कठिन सफ़र में साथ नहीं दे पा रहे, वो भाजपा की धमकियों से डरकर तोड़ने वालों के पास जाएं तो यह भी समझ लें कि भारत देख रहा है।

कांग्रेस छोड़ने पर माइकल लोबो ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के हाथों को मजबूत करने के लिए हमने भाजपा जॉइन किया है। उन्होंने 'कांग्रेस छोड़ो और बीजेपी को जोड़ो' का भी नारा दिया है।

बता दें कि, कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा के बीच कांग्रेस विधायकों ने भाजपा का दामन थामा है। 40 सदस्यी गोवा विधानसभा में देश की सबसे पुरानी पार्टी के लिए यह बड़ा झटका है। गोवा में कांग्रेस के 11 विधायक थे। अब सिर्फ तीन ही रह गए हैं।

भाजपा और आम आदमी पार्टी को कांग्रेस की दुखती रग पर तंज कसने का मौका मिल गया है। भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने कहा, राहुल गांधी को कांग्रेस को बचाने पर ध्यान देना चाहिए। राहुल गांधी जब सड़क पर हैं तो कांग्रेस के 8 विधायकों ने पार्टी छोड़ने का फैसला किया। इससे पता चलता है कि वह पार्टी से कितने जुड़े हुए हैं। देश में कई राज्य ऐसे हैं जहां कांग्रेस के एक भी विधायक नहीं हैं।

# नगरपालिका चुनाव को लेकर सरगर्मियां हुई तेज, दोनों गुटों में आपस में ही हो रही जुतम पैजार

## टिकट की खरीद -फरोख्त को लेकर दोनों ही दलों पर लग रहे आरोप

**माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी**

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर जिले की तीन नगर परिषदों व एक नगरपालिका में सरगर्मियां तेज हो चुकी है। दो मुख्य पार्टियों ने सूची जारी कर अपने अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। भाजपा-कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि मुख्य मुकाबला किस-किस के बीच होना है। मगर दो मुख्य पार्टियों के प्रत्याशियों को छोड़ दें तो कई वार्डो में निर्दलीय व आम आदमी पार्टी ने अपनी दस्तक जिले में दे दी है। जिसके चलते समीकरण गड़बड़ाते नजर आ रहे है। कई निर्दलीय अपनी जीत का दावा कर रहे है तो आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी भी कड़ी चुनौती देने के लिए तैयार है। इससे पहले जिले में मुख्य रूप से दो दलों के बीच ही कांटे की टक्कर देखी जाती थी, इनके बीच कोई एकाध ही निर्दलीय अपनी जगह बनाने में कामयाब हो पाता था। लेकिन इस बार स्थितियां थोड़ी अगल नजर आ रही है। क्योंकि इस बार आम आदमी पार्टी ने जिले में दस्तक देकर नगरपरिषद व नगरपालिका में अपने प्रत्याशियों के साथ हुंकार भरी है। इसलिए नगरीय निकाय चुनावों में अब जनता के पास तीसरा विकल्प सामने आता दिखाई दे रहा है। जमीनी स्तर से जिले में शुरूआत करने वाली आम आदमी पार्टी कितनी दूर तक सफर तय करेगी यह तो अब भी भविष्य के गर्त में है। मगर यह कहना भी गलत नहीं होगा कि आने वाले समय में आम आदमी पार्टी जिले की जनता के लिए तीसरा मजबूत विकल्प बन कर उभरेगी।

हालांकि अभी स्थिति और भी स्पष्ट होना बाकी है। 15 सितम्बर यानि आज नाम निर्देश पत्र वापसी की आखिरी तारीख है। दोपहर 3 बजे बाद पूरी तरह से स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि कौन-कौन किस पार्टी से या निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में है। इसके बाद असल चुनावी समर शुरू होगा। मैदान में उतरे सभी प्रत्याशी जनता के बीच पहुंचेंगे और अपने-अपने स्तर से वोटरों को साधने का प्रयास करेंगे। मगर वर्तमान स्थिति की राजनीतिक उथल-पुथल अभी से ही माहौल को गर्मा रही है। कांग्रेस व भाजपा ने अपने अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है और इसी के बाद से पूरे जिले में माहौल गर्माया हुआ है। कहीं आपसी रंजीशें सामने आ रही है तो कहीं बगावत के शुर उभर रहे है। कहीं किसी की टिकट कटने को लेकर तो कहीं नए नामों को लेकर घमासान मचा हुआ है। सूची जारी होने के बाद से ही आरोप -प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। तीनों नगर परिषदों और एक नगरपालिका में दोनों ही दलों की सूची जारी होने के बाद स्थिति बिगड़ती नजर आ रही है। अब दोनों ही मुख्य दल कांग्रेस और भाजपा इस स्थिति से कैसे पार पाएगी यह एक यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

### दिग्गजों की साख दाव पर

जिला मुख्यालय पर हो रहे नगरपालिका चुनावों में पार्टियों के अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा के बाद चुनाव में रौचक मुकाबले दिखाई पड़ रहे है। 18 वार्डों की इस नगरपालिका में दोनों ही दलों से कई दिग्गजों की साख दाव पर देखी जा रही है। भाजपा द्वारा जारी की गई सूची में अधिकतर वार्ड से दिग्गजों के नाम सामने है तो कांग्रेस की सूची में भी अधिकतर वार्डों में पैठ रखने वालों को ही मौका दिया गया है। दोनों ही सूचियों में कुछेक पूर्व पार्षदों को रिपिट किया गया है, हांलाकि कई वार्डों में आरक्षण के कारण पूर्व पार्षदों की पत्नियां व माताएं चुनावी मैदान में आमने -सामने है। मगर जिन पूर्व पार्षदों की टिकट पार्टियों ने काटी है वे खुद या तो निर्दलीय मैदान में है, या आरक्षण के चलते उनकी तरफ से कोई महिला प्रत्याशी मैदान में है। कुछ प्रत्याशी निर्दलीय मैदान में उतर कर अपने आप को आजमा रहे है। यहां यह भी स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि नगरपालिका झाबुआ के कुछ वार्ड ऐसे है जहां लंबे समय से निर्दलीयों का कब्जा रहा हैं। हालांकि बाद में इन निर्दलीयों ने किसी न किसी पार्टी को अपना समर्थन दिया ही है। यह भी तय माना जा रहा है कि इस बार भी ऐसे कई वार्ड है जहां निर्दलीय प्रत्याशी बाजी मार सकते है। मगर यह तय नहीं कि इस बार वे किसे अपना समर्थन देंगे। आम आदमी पार्टी भी इस बार खुलकर मैदान में है, हालांकि आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों की सूची अब तक स्पष्ट रूप से सामने नहीं आई है। यही कारण है कि इस बार नगरपालिका चुनावी मुकाबले रौचक होते नजर आ रहे है। चूंकि इस बार नगरपालिका अध्यक्ष पद के लिए सीधे चुनाव ना होकर चूने गए पार्षदों में से ही किसी को पार्षदों द्वारा ही अध्यक्ष चुना जाएगा, उपाध्यक्ष को लेकर भी यही स्थिति रहेगी। तो यह कह पाना मुश्किल है कि किस पार्टी का बोर्ड नगरपालिका पर कबिज होगा। या यह भी हो सकता है कि मिली-जुली सरकार इस बार नगरपालिका में बैठे। क्योंकि यह अभी भविष्य के गर्त में है कि निर्दलीय व आम आदमी पार्टी इस चुनाव को कितना प्रभावित कर पाएगी। हो सकता है कि निर्दलीय और आम आदमी पार्टी की दस्तक होने वाले नगरपालिका चुनाव के समीकरणों में उलट फैर कर दे।

### गुटबाजी, मन मुटाव और हंगामा भाजपा को पहुंचाएगा नुकसान

नगरीय निकाय चुनावों को लेकर भाजपा में खासी उठा-पटक जिले भर में देखने को मिल रही है। किसी न किसी कारण को लेकर जिले की चारों नगरीय निकाय में भाजपा सुर्खियों और विवादों में दिखाई पड़ रही है। जिले में पांच नगरीय निकायों में से चार में चुनावों को लेकर घोषणा हो चुकी है। रानापुर, थांदला व पेटलावद नगर परिषदों व जिला मुख्यालय झाबुआ की एक नगरपालिका में चुनावों को लेकर 27 सितम्बर को मतदान होना है। मेघनगर में पिछले माह ही परिषद के चुनाव निपट चुके है। मेघनगर परिषद में भाजपा ने अपना कब्जा जमा लिया है। मगर जिले की चार नगरीय नियकायों में भाजपा का कब्जा होगा ऐसा होता कहीं नजर नहीं आ रहा है। पेटलावद में भाजपा द्वारा अधिकृत प्रत्याशियों की सूची जारी करने को लेकर हुई लेट -लतीफी ने हंगामा खड़ा किया तो थांदला में भाजपा के ही मंडल अध्यक्ष ने कांग्रेस प्रत्याशी का नाम निर्देशन पत्र निर्वाचन कार्यालय से उठा ले जाने की घटना को अंजाम देते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। थांदला में भाजपा द्वारा जारी की गई सूची में त्रुटी को लेकर भी हंगामा रहा।

रानापुर में इस तरह की कोई घटना सामने नहीं आई लेकिन झाबुआ नगरपालिका को लेकर भी भाजपा की फूट-फुटव्वल जग जाहीर दिखाई पड़ रही है। जिला मुख्यालय पर भाजपा प्रत्याशियों की अधिकृत सूची आने पूर्व ही हंगामा खड़ा हो गया। स्थिति यह हो गई कि मामला थाने तक पहुंच गया। मामला कुछ यूं हुआ कि झाबुआ कोतवाली पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के नगर महामंत्री अर्पित मचार की ओर से एक आवेदन दिया गया। आवेदन में आरोप लगाते मचार ने बताया कि हम वरिष्ठ भाजपा नेता विजय नायर के प्रतिष्ठान पर बैठे थे तभी भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नगर महामंत्री सज्जनसिंह भूरिया आए और मेरे व विजय नायर के साथ गाली-गलौच शुरू कर दी। सज्जनसिंह भूरिया का कहना था कि तुमने मेरा वार्ड क्रमांक 16 का पार्षद टिकट कटवा दिया। इसके बाद सज्जनसिह ने विजय नायर के साथ झूमा -झटकी व धक्का-मुक्की की।

जिले भर में भाजपा में चल रहा यह सारा घटनाक्रम अच्छा संकेत तो नही है। अगर पार्टी इस तरह के हंगामें तो शांत करने में नाकाम रही तो यह तय है कि यह भाजपा को सीधे तौर पर नुकसान ही पहुंचाएगा।

### कहीं सामंजस्य तो कहीं तालमेल मिलाने में लगी कांग्रेस

जिले की सभी नगरीय निकायों में कांग्रेस की स्थिति भी डामाडोल ही नजर आ रही है, लेकिन भाजपा की अंतरकलह सीधे तौर पर कांग्रेस को फायदा पहुंचाती दिखाई देगी। कांग्रेसी खेमों में फिलहाल शांति ही नजर आ रही है। शांत रहकर आपसी सामंजस्य और तालमेल बिठाने पर पार्टी ज्यादा जोर दे रही है। देखने में यह आ रहा है कि जिन वार्डों में एक से अधिक प्रत्याशियों ने पार्टी से टिकट की मांग की थी वहां आपसी सामंजस्य से यह तय हुआ कि पार्टी जिसे भी टिकट देगी दूसरा प्रत्याशी पार्टी को समर्थन देते हुए अपना नाम निर्देशन पत्र वापस ले लेगा। मगर चूंकि नाम निर्देशन पत्र की वापसी की तारीख 15 सितम्बर है तो अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। गुरूवार को दोपहर तक यह स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि कांग्रेस कितने पानी में है। पार्टी से टिकट ना मिलने पर कितने लोग बगावत कर पार्टी के विरोध में निर्दलीय मैदान में खड़े होंगे। देखा जाए तो पार्टी से विरोध कर निर्दलीय खड़े होने वाले ही कांग्रेस को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाएंगे। खैर जो भी हो लेकिन अगले 12 दिनों में नगरीय निकाय चुनावों की भारी उठा-पटक देखने को मिलेगी जिस पर हम लगातार नजर बनाए रखेंगे।

### टिकट की खरीद फरोख्त के आरोप

चुनावी माहौल हो और टिकट खरीद-फरोख्त के आरोप ना हो तो मजा ही क्या है। नगरीय निकाय की चुनावी चकल्लस में भी ऐसा ही आरोप दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं पर लग रहे है। टिकट देने के नाम पर मांगे जा रहे लाखों रुपयों की सोशल मीडिया पर जमकर चर्चाएं चल रही है। कोई भाजपा जिलाध्यक्ष पर टिकट के नाम पर लाखों रुपये की डिमांड को उजागर कर रहा है तो कांग्रेस के कई कार्यकर्ता भी पार्टी फंड के नाम पर लाखों रुपये की मांग का विरोध करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर रहा है। हालांकि माही की गूंज टिकटों की खरीद-फरोख्त में हो रहे लाखों रुपये के लेन-देन की कोई पुष्टी नहीं करता, सोशल मीडिया पर दोनों ही पार्टियों पर इस तरह के आरोप लग रहे है। यह आरोप कितने सही और कितने गलत है यह एक अलग मुद्दा है। मगर सोशल मीडिया पर चल रही इस तरह की चर्चा राजनीति का गंदा चेहरा जनता के सामने धकेल रही है।

# बदमाशों ने एक साथ दो पड़ोसी घरो में चोरी को दिया अंजाम

**माही की गूंज, थांदला।**

चोर, बदमाशों के हौसले दिन-ब-दिन बुलंद होते जा रहे हैं। अब तक बदमाश कम रहवासी इलाके कॉलोनियों एवं सुने घरों में हाथ साफ किया करते थे, परंतु अब भरे पूरे रहवासी इलाके एवं घरों में सो रहे लोगों के घरों में भी धावा बोलना शुरू कर दिया है।

मंगलवार-बुधवार दरमियान रात में बदमाशों ने ऐसी ही एक चोरी की घटना को अंजाम दिया। नगर के वार्ड क्रमांक 4 ओर 3 के बीच में स्थित मकान इमरान व असगर कालीदेवी के यहां बदमाशों ने एक साथ दो घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। जिसमें से एक घर सुना था एवं दूसरे घर में लोग सो रहे थे। वार्ड नंबर 4 के निवासी अजगर कालीदेवी एवं इमरान कालीदेवी के घरों में बदमाशों ने धावा बोला।

इमरान कालीदेवी वाला ने बताया कि, बदमाश किचन की खिड़की निकालकर घर के अंदर घुसे। वह घर में रखी दुकान की सिल्लक तकरीबन 15 हजार रुपए चोरी कर ले गए। अब जबकि पूरे घर का सामान बदमाशों ने बिखेर दिया। समीप के ही उनके भाई अजगर कालीदेवी के घर में छत पर से घुसे, पूरे घर का सामान तिजोरी आदि सामान को बीखेर दिया। 30 से 40 हजार रुपए नकदी एवं दो अंगूठियां सहित अन्य सामान ले उड़े। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची व घटना का जायजा लिया, फिलहाल आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। बदमाश कितनी संख्या में आए थे वह अनुमानित कितना सामान लेकर गए हैं अभी इसकी पूर्ण जानकारी नहीं मिल पाई हैं।

# दो पक्षों में खुनी संघर्ष के बाद भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर स्थिति को लिया नियंत्रण में

## 16 लोग घायल, 5 को किया रैफर, एसपी, कलेक्टर पहुंचे जिला अस्पताल

**माही की गूंज, रतलाम।**

मंगलवार को जिले के शिवगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत दो पक्षो में सरकारी जमीन पर पशु चराने को लेकर खुनी संघर्ष हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों की तरफ से धारदार हत्यारो से वार किए गए। इस घटनाक्रम में 16 लोग घायल हो गये वही 5 गंभीर घायलों को इंदौर रैफर किया गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर भारी सख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति को निमंत्रण किया।

शिवगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार सुबह करीब 10 बजे सरकारी जमीन पर पशु चराने को लेकर गुर्जर और आदिवासी समुदाय में खुनी संघर्ष के दोरान 16 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों पक्ष उक्त भूमि पर अपना-अपना कब्जा बता रहे थे। इस दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ से धारदार हथियारों से एक दूसरे पर हमला कर दिया गया। उक्त घटनाक्रम में करीब 16 लोग घायल हो गये। सुचना मिलने पर मोके पर पहुंची पुलिस पुरे क्षेत्र को छावनी में परिवर्तित कर घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। वही 5 गंभीर रूप से घायल लोगो इंदौर रैफर किया गया। जिनकी स्थिति काफी चिंताजनक बताई जा रही है। वही मामले की गंभीरता को देखते हुए रतलाम कलेक्टर सूर्यवंशी और एसपी अभिषेक तिवारी भी जिला अस्पताल पहुंच गए है।

उक्त घटना में घायल कलजी सुखराम नंदा नानामा भील (65), पप्पू पिता भैहरा (25), संतोष पिता मोहन गेहलोत (28), निर्भय पिता कानजी (35), बगदीराम पिता गुर्जर (28), पन्नालाल उमरा सिंह (22), संजय हीरालाल गुर्जर (25), भेरूलाल चंपालाल (35), मांगू पिता खंबा गुर्जर (45), मनोहर पिता मोहनलाल (45), दशरथ बबलू (35), बल्लू रतन गुर्जर (66), कालू पिता मदन गुर्जर (30), भैरोलाल गुर्जर (35), मांगु गिड़ा (45) और मनोहर पिता मोहन गुड़िया (45) घायल हुए है।

**महिषासुरों का वध होगा....**

# 27 सितम्बर को होगा मतदान, नगर परिषद के चुनाव में चल रहे घमासान

**माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट**

नवरात्रि के दूसरे दिन नगर सरकार के चुनाव संपन्न होंगे। इस पवित्र सप्ताह में आम मतदाता शक्ति की आराध्य देवी मां दुर्गा की आराधना के साथ में लीन होकर 27 सितंबर को मंगलवार द्वितीया नवरात्रि को 15 वार्डों के प्रतिनिधियों को चुनकर नगर विकास का मार्ग प्रशस्त कर कई महिषासुरों ओ का अपने वोट रुपए अधिकारों से वध करेंगे। इस निर्णायक चुनाव में खामोश मतदाता पिछली परिषद को कोसने से भी नहीं चूक रहे हैं। अभी तक 15 वार्डों में 95 से अधिक उम्मीदवार चुनावी समर में अपना भाग्य आजमा कर पार्षद बनने की जुगाड़ में डटे हुए हैं। इस चुनावी समर में प्रत्याशी धन बल के सहारे अपनी चुनावी नैया पार करने हेतु कई प्रत्याशी धनबल का भी प्रयोग करेंगे। भाजपा व कांग्रेस पार्टी के लिए तथा निर्दलीय पार्टी के बागी प्रत्याशी उन सभी का समीकरण बिगाड़ सकते हैं। यह तो आने वाला वक्त बताएगा कि नगर परिषद के चुनाव में ऊंट किस करवट बैठेगा।

### जन आकांक्षाओं पर खरी नहीं उतरी पूर्व परिषद

वर्ष 2017 में संपन्न हुए नगर परिषद के चुनाव में मतदाताओं ने सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा जताते हुए नगर सरकार की बागडोर कांग्रेस से आयातित एक युवा को सौप कर उससे यह उम्मीद थी कि, वह जनता की कसौटी पर खरा उतरेगा। किंतु महज छह माह में लुटेरी दुल्हन के तर्ज पर रुपए कमाने के खेल में यह सफेदपोश कलप वाले उजले कपड़े पहने वाला अध्यक्ष डामर की तरह बदनुमा दागदार चेहरा जनता की कसौटी पर खरा नहीं उतरा, न ही कोई ऐसा पार्षद दमखम से जनता की आवाज बन सका। नतीजा यही रहा कि, नगर परिषद में हर कार्य के लिए कमीशन व स्व हित को साधने में पार्षद भी अध्यक्ष के इशारे पर दुम हिला कर नाचने को मजबूर दिखे। जिसका नतीजा यही रहा कि, अधिकारी-कर्मचारी भी भ्रष्टाचार की नदी में अपना स्वार्थ सिद्ध करते हुए अपनी डफली अपना राग अलापते रहे तथा निवृत मान नगर परिषद अध्यक्ष ने अपने चहेते लोगों को उपकृत करने के लिए डेली वेजेस पर मनमानी नियुक्तियां देखकर जनता के पैसों का बैजा दुरुपयोग किया है। वही जनता के धन का दुरुपयोग करने से भी यह परिषद नहीं हिचकी।

बगीचे की जमीन भू माफियाओं को निवर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष ने ऊंची छलांग के स्वप्न संजोते हुए नगर परिषद अध्यक्ष के बाद विधानसभा चुनाव लड़ने का स्वप्न देख रखें, डामर ने नियमों को धत्ता दिखाकर व उसूलों को ताक में रखकर केशव उद्यान के स्वामित्व वाली जगह पर भू माफियाओं को फायदा पहुंचाने के लिए रोड निकाल कर लाखों रुपए की डील कर जनता से धोखा छल कपट की राजनीति करने वाले डामर अपने राजनीतिक गुरु कल सिंह बाबर के तर्ज पर विधानसभा में पहुंचने का दीवा सपना देखता रहा हे। किन्तु गुरु गुड़ चेला शक्कर के तर्ज पर 2023 के चुनाव में माफियाओं से सांठ-गांठ कर विधायक का स्वप्न संजोए हैं। ऐसे में उसके अरमानों को जनता कभी पूरा नहीं होने देगी।

### कमजोर विपक्ष

कहा गया है कि, स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष का मजबूत होना बहुत जरूरी है। किंतु नगर परिषद में डामोर के अध्यक्ष कार्यकाल में जनधन व मलाई खाने में कांग्रेस पार्षद भी पीछे नहीं रहे हैं। उन्होंने पुरानी नगर परिषद कार्यालय के सामने नाले पर डाली गई दुकान कोडियो के मोल खरीद कर जिम्मेदार विपक्ष होने का बखूबी दायित्व निभाया है। इस परिषद में जनता उन्हें अवश्य सबक सिखाएगी इस परिषद के मुखिया के विदाई में चंद शब्द मेरे जेहन में आते हैं कि...

*तेरे वादों का कद भी कुछ तेरे जैसा ही है,*
*अगर भरोसा न हो तो नाप कर देखना कम ही निकलेगा।*

# बीईओ ऑफिस में छलके जाम हुक्कू के नाम

## खण्ड शिक्षा अधिकारी हुक्कू के निलंबन पर अधीनस्थों ने की शराब पार्टी, नशे में खोले फर्जी नियुक्त के राज

**माही की गूंज, पेटलावद।**

विगत दिनों मतदाता परिचय पत्र से आधार लिंक करने के काम मे लापरवाही करने के चलते खण्ड शिक्षा अधिकारी संजय हुक्कू और बीआरसी सियाराम रायपुरिया को निलंबित किया गया था। दोनों के निलंबन के बाद देर रात बीईओ कार्यलय के कुछ कार्मचारी ने शराब की पार्टी करते हुए बीईओ के निलंबन पर खूब जाम छलकाए। मामले की जानकारी मिलने पर शराबी कर्मचारियों की वॉइस रिकॉर्डिंग की गई, जिसमें अंदर बैठे कर्मचारी नशे में विभाग के राज़ खोलते सुनाई दे रहे है। नशा इतना कि जुबान पर शब्दो की हकलाहट साफ दिख रही। बीईओ हुक्कू के निलंबित होने को लेकर खुशी जाहिर की। विभाग में लम्बे समय से टिका बाबू नशे में किसी बारिया के द्वारा कितनी नियुक्ति पंच, सरपंच और जनपद के अनुमोदन से की ये मै बता दूँ तो बारिया और वाष्णेय (तत्कालीन बीईओ) दोनों जेल चले जाये।

वही शराब के चखने की मिर्ची कपड़े पर गिरने पर बाबू बोला, अरे यार मिर्ची कपड़ो पर गिर गई है ये मिर्ची हुक्कु को लगेगी। आसपास के लोग बताते है यहां आए दिन पार्टियों होती रहती है। मामले का खुलासा ऑडियो के साथ करेंगे।

### जिला कलेक्टर ने कहीं नियम विरुद्ध तो नहीं कर दिया निलंबन

मतदाता से आधार लिंक करने के लिए लगी आधार संग्रहण के कार्य के लिए पंचायत सचिव, हल्का पटवारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी लगाया गया। लेकिन इनमें से कोई भी टीचर को सहयोग नहीं कर रहा है। कई लोग काम के लिए बहार गए हुए है जिसके चलते आधार संग्रहण का कार्य बीएलओ नही कर पा रहे है। कई बीएलओ का कहना है कि, वेक्सीन के कार्य में शिक्षको ने सहयोग कर 100 प्रतिशत करवाया, लेकिन वही सहयोग सचिव, पटवारी ओर आँगनवाडी कार्यकर्ताओ से नही मिल रहा है। लेकिन आधार लिंक के मामले में कही न कही जिला प्रशासन खुद को अव्वल साबित करने के चक्कर मे बीएलओ पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है और टारगेट पूरा नही होने पर अधिकारियो पर गाज गिराई जा रही है। लेकिन जिस तरह से अधिकारीयो के निलंबन पर उसी कार्यालय के कर्मचारी शराब पार्टी में कर रहे शंका होती है। इनके निलंबन के पीछे ओर भी कारण ही सकते है जिसे आधार नही बनाया जा सकता था।

# भाजपा के लिए निर्दलीय बनेंगे चुनौती, देर रात जारी हुई सूची के बाद बागियों ने मैदान में उतरने की दे डाली चुनौती

## कई वार्डों में त्रिकोणी मुकाबला होने की संभावना, नामांकन वापसी की आज आखरी तारीख

**माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत**

नगर परिषद पेटलावद को लेकर भाजपा में मचा तूफान मंगलवार को देर रात शांत हो गया। भाजपा की सूची जारी होते ही भाजपा के अधिकृत प्रत्याशियो में खुशी की लहर छाई, वही जिनके टिकिट कटे ऐसे कई दावेदारों के अरमान ठंडे हो गए। रात भर नगर परिषद पेटलावद की भाजपा की अधिकृत सूची को लेकर सोशल मीडिया देर रात तक बहस चलती रही। टिकिट की आस के बाद जिन दावेदारों के टिकट कटे वह निर्दलीय मैदान में उतरेंगे कई कार्यकर्ता अब बागी मैदान में उतरने का दावा सोशल मीडिया करते नजर आए, जिसके बाद भाजपा की परेशानीया बढ़ गई है।

### आज होगी नामांकन वापसी, कई बागियों ने मोबाइल बन्द कर डाली रवानगी

नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख आज गुरुवार की तय की गई है। दोपहर 3 बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकते है। जिसके बाद भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी सहित भाजपा के नेता बागी हुए निर्दलीयों के नामांकन वापसी की जुगाड़ में लग गए है। लेकिन कई निर्दलीय प्रत्याशी जो टिकिट नही होने पर नामांकन वापसी का दावा कर रहे थे वो अपना-अपना मोबाइल बन्द कर नगर छोड़ कर बहार निकल गए है। अब भाजपा के लिए मुसीबत बने बागी कितने अंतिम समय तक नामांकन वापस लेते है ये देखना दिलचस्प होगा।

### पूर्व पार्षदों के पार्टी ने काटे टिकिट, पूर्व अध्यक्ष भी नहीं ले पाए टिकिट

पिछली परिषद के कामो पर लगातार शिकायतो के चलते भाजपा की भारी किरकिरी हुई। खुद परिषद के पार्षद बार-बार अपना स्टेण्ड बदलते रहे। जनता के मुद्दों से दूरी के कारण पार्टी सर्वे में कई पार्षद दोबारा टिकिट की दौड़ से बहार हो गए। भाजपा ने यहां लगभग 8 पार्षदों के टिकिट काट कर नए ओर पिछली बार हारे पार्षदों पर विश्वास जताया है। कांग्रेस की और से कोई गभीर चुनोती भाजपा को नही मिल रही है लेकिन कई वार्डों में खड़े बागियों ने कांग्रेस को भी लड़ाई में ला कर खड़ा कर दिया है। यहां पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मनोहर भटेवरा ओर उनके पुत्र यतीन्द्र भटेवरा ने वार्ड नम्बर 6 से भाजपा से टिकिट की मांग की थी लेकिन सफल नही हुए। परिषद उपाध्यक्ष माया सतोगिया के पति राजू सतोगिया का भी टिकिट वार्ड नम्बर 9 से काट दिया है।

### जातीय समीकरण गड़बड़ाया, कई वार्डों में त्रिकोणी मुकाबला

भाजपा ने टिकिट वितरण में कार्यकर्ताओं से ज्यादा जातीय समीकरण फिट करते नजर आई जो अब उसी के लिए मुसीबत बनता दिख रहा है। यहां राजपूत समाज से पहले भी कोई पार्षद नही था और इस बार भी कोई राजपूत समाज के कार्यकर्ता को टिकिट नही दिया। यहां वार्ड नम्बर 1 से पिछले चुनाव में हारे लोकू परिहार को इस बार पार्टी ने किनारे कर दिया। जबकि गवली समाज से परिषद में दो पार्षद थे, इस बार एक भी टिकिट भाजपा ने गवली समाज के खाते में नही डाला। इसके साथ ही सोनी, कलाल और मुस्लिम वोटों को साधने के लिए कोई प्रयास पार्टी ने नही किये।

## रपट पर गहरे-गहरे गड्ढे, आने-जाने वाले परेशान, पुलिया ऊंची करने की मांग

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

कस्बे के श्री शंकर मंदिर प्रांगण में बोरझाड़ मार्ग तक जाने वाले मार्ग पर बनी रपट पर गड्ढे हो जाने से पैदल तथा दो पहिया वाहन से गुजरने वाले परेशान हो रहे हैं। पुलिया नीचे होने से कई बार नदी की बाढ़ में यह डूब जाती है। आम्बुआ से बोरझाड़ जाने हेतु यह सीधा तथा कम दूरी का मार्ग है यहां नई पुलिया बनाने की मांग की जाती रही है।

आम्बुआ में श्री राम मंदिर के पास से गुजरने वाला बोरझाड़ तथा जोबट जाने हेतु कम दूरी का मार्ग जो कि मंदिर से आगे कब्रिस्तान के पास से गुजरता है। इस तरह यह मार्ग हिंदू मुस्लिम दोनों समाज के लिए महत्वपूर्ण मार्ग माना जाता है। मुस्लिम समाज के लोगों को कब्रिस्तान तथा बोरझाड़ में स्थित गौरी शाह बाबा की दरगाह पर जाने हेतु यह मार्ग उपयोग में आता है। इसी तरह हिंदू समाज के लोगों के लिए इस मार्ग पर राम मंदिर की ओर से नाग मंदिर तथा टेकरी वाली अंबे माता मंदिर जाने के लिए तथा बौहरा मस्जिद की ओर से हिंदू समाज के लोगों को राम मंदिर नाग मंदिर शंकर मंदिर हनुमान मंदिर तथा अंबे माता मंदिर तक आने जाने हेतु यह रपट (पुलिया) उपयोगी है। इस पुलिया को ऊंचा करने तथा नवीन पुलिया निर्माण की मांग सभी समुदाय के लोगों द्वारा की जा रही है। पुलिया पर गहरे गहरे गड्ढे होने के कारण यहां गंदा पानी तथा कीचड़ भरा रहता है। जिस कारण मंदिर या दरगाह या कब्रिस्तान जाने वालों को पाक और पवित्रता पर असर पड़ता है। उन्हें गंदगी से होकर निकलना पड़ता है यदि पुलिया बन जाती है तो सभी को राहत मिलेगी।

### इनका कहना है

रमेश रावत सरपंच ग्राम पंचायत आम्बुआ का कहना है, यह छोटी पुलिया तथा रपट हमने देखी है आगामी समय में हम किसी मद से इसके निर्माण की स्वीकृति प्राप्त कर इसे बनवाने का प्रयास करेंगे।

## एक ही दिन में दो हजार से अधिक रक्तदान शिविरों के माध्यम से रक्तदान जागरूकता की पहल

**माही की गूंज, पेटलावद।**

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् की 355 शाखाएं आगामी 17 सितंबर को एक ही दिन में 2 हजार से अधिक रक्तदान शिविरों के माध्यम से रक्तदान जागरूकता का एक अद्वितीय आयोजनकर आजादी का 75 वां अमृत महोत्सव मनाएगी। इसी दिन तेरापंथ युवक परिषद पेटलावद भी मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव् (एमबीडीडी) के एक कैंप लगाकर आजादी का अमृत महोत्सव मनाएगी। तेयुप अध्यक्ष पंकज़ मूणत, मंत्री पंकज़ जे पटवा, संयोजक शुभम मांडोत, सहसंयोजक मिहिर निमजा ने बताया कि, हमारी परिषद् द्वारा आयोजित मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव देश के समक्ष समाज सेवा और स्वास्थ्य जागरूकता का एक अनुकरणीय उदाहरण पेश करेगा। जहां एक तरफ कैंप आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरितकर देश के अस्पतालों में खून की कमी को पूरा करने में अपना अमूल्य सहयोग देंगे, वहीं दूसरी ओर रक्तदान करने वाले व्यक्ति को स्वास्थ्य की दृष्टि से होने वाले लाभों से जन-जन को अवगत करवाएंगे।

## हिंदु युवा जनजाति मोर्चा ने जलाया भाजपा अध्यक्ष व अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का पुतला

**माही की गूंज, थांदला।**

थांदला के आजाद चौक पर हिंदु युवा जनजाति मोर्चा के पदाधिकारियों ने भाजपा की कथनी व करनी में अंतर बताते हुए, भारत माता की जय के नारों के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक व अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंग भाबर का पुतला दहन पुलिस की उपस्थिति में किया गया। पुतला दहन के बाद पुलिस ने जले हुए पुतले को बुझाने का कार्य किया।

हिंदु युवा जनजाति मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया, थांदला के वार्ड क्रं. 10 व 15 तथा झाबुआ के एक वार्ड में कनवर्ड मिशनरी को भाजपा ने अपना उम्मीद्वार घोषित किया है। भाजपा एक तरफ डिलीसिंट्रग की बात करती है, तो दूसरी तरफ मिशनरी को बढ़ावा देकर उन्हें उम्मीद्वार बनाकर हमारा हक छीना है जिसका विरोध कर पुतला दहन किया। साथ ही चेतावनी दी है कि, अगर इन कनवर्ड मिशनरी समुदाय सदस्यों को भाजपा नगर निकाय चुनाव में इन उम्मीद्वारों को अपनी लिस्ट से नहीं निकालती है तो पूरे जिले स्तर पर इसका विरोध किया जाएगा।

## समय पर नहीं खुलती स्कूल, शराब पीकर आता है शिक्षक, एसडीएम को की शिकायत

**माही की गूंज, पेटलावद।**

स्कूल लगने के समय बन्द स्कूल बहार खेलते बचे।

ग्राम पंचायत कोदली के मावी फलिया स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल की अव्यवस्था को लेकर गाँव के ही सुभाष पिता राजहिंग अरड द्वारा अनुविभागीय अधिकारी को लिखित शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि, प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक स्कूल में अधिकांश समय शराब पीकर आता है और स्कूल समय पर नही खोलता, जिससे गाँव के बच्चों को सही और समय पर शिक्षा नही मिल रही। शिकायतकर्ता का आरोप है कि, शराबी शिक्षक अभिभावकों द्वारा कुछ भी कहने पर उनसे विवाद किया जाता है। पदस्थ शिक्षक शासन के नियमो के विपरीत स्वयं की मन मर्जी से स्कूल चला रहा है।

### एसएलसी नहीं दे रहा, चार वर्ष की छात्रवृत्ति भी बाकी

शिकायतकर्ता का आरोप है कि, शिक्षक मेरे पुत्र की एसएलसी नही दे रहा, जिससे मेरे पुत्र को अन्य संस्था में भर्ती करने ने परेशानी आ रही। मेरे पुत्र की चार वर्ष की छात्रवृत्ति का भी भुगतान नही किया गया जो स्वयं शिक्षक निकाल कर खा गया। सुभाष अरड़ ने बताया कि, ऐसे कई अभिभावक है जो शिक्षक की मनमर्जी परेशान है। खुद शिक्षक स्वयं की माता के नाम से खुद मध्यान भोजन का समुह संचालन कर रहा है जिसमे भारी लापरवाही की जा रही है। शिकायतकर्ता ने शिक्षक की लापरवाही की जांच कर तत्काल हटाकर दूसरे शिक्षक की नियुक्ति की मांग की है।

## खाटू श्याम की महफ़िल में महाँकाल का हुआ आगमन, भव्य भजन संध्या का हुआ आयोजन

**माही की गूंज, अमरगढ़।**

क्षेत्र में भजन संध्या का दौर समय दर समय बढ़ता ही जा रहा है। इसी क्रम में बीते सोमवार की शाम ग्राम अमरगढ़ में खाटू श्याम की भजन संध्या का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। उक्त आयोजन नवयुवक मित्र मंडल के तत्वाधान में आयोजित किया गया। भजन संध्या में ग्राम अमरगढ़ सहित बामनिया, रामपुरिया, असालिया, कोदली, नाहरपुरा, चापानेर आदि ग्रामो के ग्रामीण उपस्थित हुए। गायक कलाकारों का स्वागत ग्राम के सरपंच पिन्टू सिंह भूरिया ने किया, साथ ही नवयुवक मित्र मंडल के सदस्यों ने गायको के साथ प्रवीण म्यूज़िकल ग्रुप एहमद बोला के सदस्यों व धाकड़ साउंड सेवा के सदस्यों का स्वागत किया। भजन संध्या की शुरुआत गायक विक्की पाटीदार ने की, जिनके भजन ''महाराणा प्रताप कठे'' पर श्रोतागण खूब झूमते नजर आए, जिसके पूर्व विक्की पाटीदार ने बाबा श्याम के कई सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी।

जिसके बाद गायिका अलीशा निनामा ने खाटू श्याम के भजनों के साथ माता जी के भजनों का समा बांधा। भजन संध्या में गायक कलाकारों व श्रोताओं पर पुष्प वर्षा की गई। भजन संध्या कार्यक्रम में जब गायक कलाकार भजनों की प्रस्तुति दी रहे थे तब आयोजक मंडल द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी श्रोताओं के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। भजन संध्या में देर रात करीब 12 बजे तब विघ्न पड़ा जब इंद्र ने वर्षा रूपी अपना आशीर्वाद श्रोताओं पर बरसाया, जिसके बाद बारिश के चलते भजन संध्या को विराम दिया गया।

### महफ़िल में हुआ महाँकाल का आगमन

वैसे तो भजन संध्या का मुख्य आकर्षण खाटू श्याम थे, परंतु जब नितिन बागवान देवास ने मंच पर आए तो मानो उज्जैन के महाँकाल ने महफ़िल में प्रवेश किया। गायक नितिन के आते ही श्रोताओं ने जय श्री महाँकाल के जयकारे लगाना शुरू कर दिया। नितिन बागवान के भजन ''म्हारा उज्जैन के महाराजा ने खम्मा रे खम्मा'', ''म्हारा सांवरिया सरकार जी ने खम्मा रे खम्मा'' आदि भजनों ने श्रोताओं के मन मोह लिया। नितिन ने महाँकाल के भजनों के साथ-साथ खाटू श्याम के भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी।

## झमाझम हुई बारिश से किसानों के चहरे खिले, नदी-नाले नही आए उफान पर, भू-जल स्तर हुआ कम

**माही की गूंज, बामनिया/अमरगढ़।**

क्षेत्र में कुछ समय से बारिश नही होने के चलते किसानों ने मायूसी छाई हुई थी, वही उमस व तेज धूप के चलते आमजन दिन में पसीने से तरबतर हो रहे थे। बारिश के बीच मे ही रुकने के कारण अमरगढ़, बामनिया सहीत आसपास के ग्रामो में भुट्टे की फसल लगभग सूखकर खत्म ही हो गई है। क्षेत्र में सोयाबीन की फसल प्रमुख रूप से बोई जाती है, ऐसे में सोयाबीन की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचा है। ग्राम के किसानों का कहना है कि, बारिश रुक गई थी तो सोयाबीन की अगली वेरायटी जैसे 9560 किस्म में तो दाने अच्छे से भर गए थे, लेकिन जीएस, 6124 आदि किस्मो की हालत खराब हो गई थी। जिसे कूप, ट्यूबवेल, तालाब आदि से पानी की सिंचाई कर जैसे-तैसे बचाने की कोशिश की जा रही थी।

रविवार-सोमवार को शुरू हुई बारिश के बाद किसानों में आस बंधी थी और उमस से भी छुटकारा मिला था। वही बुधवार सुबह से तेज बारिश के बाद किसानों के चहरे खिल उठे। अंदाज तो अब भी यही लगाया जा रहा है कि, सोयाबीन की अगली वेरायटी में करीब 50 किलो पर बिगा का कम उत्पादन होगा, वही देर से पकने वाली सोयाबीन की किस्म में भी एक से डेढ़ क्विंटल पर बिगा कम उत्पादन होने की संभावना जताई जा रही है। खेर थोड़ी देर ही सही पर झमाझम हुई बारिश से क्षेत्र के किसानों में उत्साह देखा जा रहा है वही बेमौसम सिंचाई करने की झंझट से भी छुटकारा मिला है।

बुधवार सुबह हुई तेज बारिश में सभी अपनी जगह ही रुक गए। खासकर स्कूली बच्चे जो सुबह तैयार होकर स्कूल के लिए घर से निकले की तेज बारिश के बाद कंही पेड़ के नीचे तो कहीं किसी दुकान पर बैठकर बारिश के थमने का इंतजार करते दिखाई दिए।

### इस वर्ष कम हुई बारिश

हर वर्ष बदलते मौसम के मिजाज के चलते किसी वर्ष कम तो किसी वर्ष ज्यादा बारिश देखने को मिलती है। कभी बोवनी के समय बारिश सही से नही होती तो कभी फसल के पकने के दौर में। कुछ ऐसा ही इस वर्ष भी पेटलावद विकासखंड में देखने को मिला है, यहां पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष करीब 10 इंच बारिश कम हुई है। जिसके परिणाम आने वाले समय मे पानी की किल्लत के रूप में दिखाई देंगे। वही जब नदी, तालाब व डेम में पर्याप्त पानी संग्रहण नही होने के चलते नहरों के माध्यम से पानी कम मात्रा में छोड़ा जाएगा, जिसका असर रबी की फसल खासकर गेंहू की फसल पर होगा। जब गेंहू की फसल पकने पर होगी तब प्रशासन द्वारा पानी की कमी के कारण नहरों को बंद कर दिया जाए, जो एक गंभीर स्थिति किसानों के लिए बन सकती है।

### कम हो रहा भू-जल स्तर

क्षेत्र में बारिश के बीच मे ही रुक जाने के चलते किसानों ने कूप, नलकूप, तालाब आदि से सिंचाई करना शुरू कर दिया था। वही इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में बारिश भी कह हुई है, जिससे भू-जल पर्याप्त रूप से रिचार्ज नही हो पाया है। बारिश के रुकने के बाद जब किसानों ने अभी से सिंचाई शुरू कर दी उसके बाद भू-जल स्तर में गिरावट आई है जिसके बाद अब हो रही बारिश से पूर्ण रिचार्ज नही हो पाएगा। जिसके परिणाम स्वरूप रबी की फसल में सिंचाई के पानी की कमी और गर्मी के मौसम में पीने के पानी की कमी होना तय है।

### चेक डेम बने वजह

भू-जल को रिचार्ज करने व पानी संग्रहण के उद्देश्य से चेक डेम का निर्माण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर किया गया। लेकिन भ्रष्टाचार के लिए बदनाम पेटलावद विकासखंड में चेक डेम भी भ्रष्टाचार भी भेंट चढ़ गए। कई चेक डेम निर्माण में भ्रष्टाचार होने के कारण उनमे पानी का भंडारण नही हो सका, जिसके फलस्वरूप न तो भू-जल रिचार्ज हुआ न ही सिचाई के लिए पानी एकत्रित हआ।

## नगरीय कर्मचारी मतदाता की ड्यूटी मतदान अधिकारी के रूप में लगने से मतदान करना होगा वंचित

### इडीसी द्वारा मतदान से मत की गोपनीयता होगी भंग

**माही की गूंज, पेटलावद।**

जिले मे चार स्थानों पर नगर परिषद चुनाव होना है। उस चुनाव ड्यूटी याने मतदान अधिकारी के रूप मे नगरीय कर्मचारी जो मतदाता भी है उनकी ड्यूटी लगाई गई है। जिससे ये अपने मतदान के अधिकार से वंचित रह जायेंगे या मतदान कर भी पाये तो डाक मत पत्र के माध्यम से मत डाल पाएंगे। डाक मत पत्र से ऐसे कर्मचारी के मत को डालने से परहेज करेंगे, क्योंकि इस तरह से इनके मत की गोपनीयता चुनाव परिणाम के समय भंग होने की पूरी सम्भवना होगी। जिससे व्यक्ति गत द्वेष्तता बढ़ेगी। जिस कारण ऐसे कर्मचारी की अगर मत डालने की मजबूरी हुई तो फिर विवाद से बचने के लिए नोटा का बटन दबाने को विवश होना पढ़ेगा जो चुनाव आयोग की मंशा के विपरीत होगा। एसी स्थिति मे कर्मचारियों के संगठन ने कलेक्टर को अवगत कराया है कि, ऐसे कर्मचारीयो को ड्यूटी से मुक्त किया जाए, इनकी जगह ग्रामीण क्षेत्रों मे कार्यरत हजारो कर्मचारी की ड्यूटी लगाया जा सकता हैं। पेटलावद नगर की बात करे तो ऐसे 8 कर्मचारी ऐसे है जिनको मतदान अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। जो लगभग अलग-अलग वार्डों से आते है। उनका एक मात्र मत ईडीसी के जरिए आएगा जिसमे गोपनीयता भंग होने की पूरी संभावना है।

### पंचायत चुनाव में भी रहे थे वंचित

इससे पूर्व दो माह पहले हुए पंचायत चुनावो में विकास खण्ड के सैकड़ो शिक्षक मतदान से वंचित रहे थे और शासन की ओर से भी इन चुनाव ड्यूटी पर तैनात शिक्षको के मतदान की कोई व्यवस्था नही की गई थी। वर्तमान में भारी तादाद में शिक्षको की मौजूदगी होने के बाद नगर परिषद क्षेत्र के शिक्षको को चुनाव ड्यूटी में तैनात किया जाना समझ से परे है।

## संपादकीय

# हिंदी दिवस एकता का अहसास

राजनीतिक दुराग्रहों के चलते, राष्ट्र निर्माताओं द्वारा हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकारने के बावजूद, यथार्थ में उसे यह सम्मान न मिल पाया। मगर हिंदी अपने गुणों के चलते स्वाभाविक चाल चली है और दुनिया की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है। सही मायनों में हिंदी देश को एक सूत्र में पिरोने वाली भाषा है।

भाषा के इस गुण को स्वीकारते हुए गैर-हिंदी भाषी राज्यों के राष्ट्रीय स्तर के स्वतंत्रता सेनानियों ने हिंदी को राष्ट्र भाषा का हकदार माना। महात्मा गांधी ने हिंदी को देश को जोड़ने वाली भाषा के रूप में प्रचारित व प्रसारित किया। उसे अखिल भारतीय स्वरूप देने में जितना योगदान गैर हिंदी भाषी नेताओं ने दिया, उतने प्रयास हिंदी भाषी क्षेत्रों में नहीं हुए। सही मायनों में हिंदी को प्रतिष्ठा देने के लिए हिंदी पढ़े-लिखे लोगों ने ईमानदार प्रयास नहीं किए। वहीं हिंदी की सर्व स्वीकार्यता के लिए इसे सरल व सहज बनाने के बजाए आडंबरयुक्त शब्दों से लाद दिया गया। बेहतर होता कि इसमें विदेशी शब्दों को शामिल करने के बजाए देश की प्रमुख भाषाओं के शब्द शामिल किए जाते, जहां हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का उग्र विरोध होता रहा है। नि:संदेह, किसी भाषा के व्याकरण, लिपि व साहित्य से इतर उसकी सहजता-सरलता लोगों को ज्यादा प्रभावित करती है। महत्वपूर्ण यह भी है कि वह रोजगार से जोड़ती हो। उसमें विज्ञान, वाणिज्य व गणित की पढ़ाई होती हो। निर्विवाद रूप से हिंदी भारतीय भाषाओं के सहयोग से निखरी है। सरदार पटेल, मराठी भाषी काका कालेलकर, दयानंद सरस्वती, नेताजी सुभाष चंद्र बोस व दक्षिण में हिंदी प्रचारक के रूप में पहल करने वाले मोहनदास गांधी जैसे गैर हिंदी राज्यों के इन हिंदी शुभचिंतकों का हिंदी समाज सदैव ऋणी रहेगा। देश के राष्ट्रीय आंदोलन के नायक इस बात को बखूबी समझते थे कि, हजारों भाषा-बोलियों के बीच विविधता की संस्कृति वाले देश को जोड़ने के लिए एक संपर्क भाषा की जरूरत होगी। यह गुण उन्हें हिंदी में ही नजर आता था। तभी सुभाष चंद्र बोस बड़े विश्वास से कहते भी थे कि, देश शीघ्र आजाद होगा और उसकी भाषा हिंदी होगी।

वास्तव में यह हिंदी की स्वीकार्यता ही है कि भारत के विभिन्न राज्यों में ही नहीं बल्कि दक्षिण एशिया, सेंट्रल एशिया व अफीका तक के तमाम देशों में हिंदी समझने वाले लोग मौजूद हैं। भले ही वे लिपि न समझें मगर समझ-बोल लेते हैं। इसमें मीडिया, बॉलीवुड व टीवी चैनलों का बड़ा योगदान है। पिछले दिनों बांग्लादेश में हिंदी में अनुवादित कार्टून चैनल देखने वाले बांग्लादेशी बच्चों के हिंदी बोलने को लेकर उनके अभिभावक अचंभित थे। दुनिया के तमाम देशों में भारतीयों के अलावा पाकिस्तान व बांग्लादेशी देवनागरी लिपि न जानते हुए भी हिंदी में संवाद करते हैं। यह हिंदी की ही ताकत है कि, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक लोग हिंदी गाने गुनगुनाते नजर आते हैं। इसमें सोशल मीडिया की भी बड़ी भूमिका है। वहीं दूसरी ओर, राजाश्रय में हिंदी खूब फली-फूली है। संयुक्त राष्ट्र व अन्य वैश्विक मंचों पर जब प्रधानमंत्री हिंदी में संबोधित करते हैं तो हिंदी भाषियों को गर्व की अनुभूति होती है। दरअसल, जिस भाषा में हम सोचते हैं और बोलते हैं, उससे यदि हमारा कार्य-व्यवहार व रोजगार जुड़ा हो तो उसका स्वाभाविक विस्तार होता है। विडंबना यही है कि, सत्ताधीशों की ओर से ईमानदार प्रयास न होने और नौकरशाहों के भाषाई दुराग्रहों से इसका स्वाभाविक विकास नहीं हो पाया है। इसके बावजूद तकनीक का संबल, बड़े उपभोक्ता वर्ग तक बाजार की पहुंच बनाने की जरूरत से हिंदी का विस्तार हुआ है। दुनिया की बड़ी आईटी कंपनियों ने तकनीकी रूप से हिंदी को संबल दिया है। सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति में छात्रों के लिए मातृभाषा के अलावा एक अन्य भारतीय भाषा पढ़ने की अनिवार्यता से भी हिंदी को संबल मिलेगा। दरअसल, इस बहुभाषी देश में संपर्क भाषा की योग्यता हिंदी ही पूरा करती है। पिछले दिनों गीतांजलिश्री के उपन्यास 'रेत समाधि' को अंतर्राष्ट्रीय बुकर सम्मान मिलने से हिंदी जगत का आत्मविश्वास बढ़ा है। जरूरत इस बात की है कि हिंदी सरल-सहज शब्दावली लेकर आगे बढ़े, जिसमें क्षेत्रीय भाषाओं के शब्द हों और वह रोजगार से जुड़े।

# सड़क सुरक्षा नीति पर गंभीर होने का वक्त

दिनेश सी. शर्मा

पिछले हफ्ते एक बड़े उद्योगपति साइरस मिस्त्री और उनके मित्र की कार दुर्घटना में हुई विदारक मौत ने सड़क सुरक्षा पर ध्यान खींचा है। विडंबना है कि, यह घटना भारत में सड़क सुरक्षा आंकड़े जारी किए जाने के एक सप्ताह बाद हुई। राष्ट्रीय अपराध आंकड़ा ब्यूरो (एनसीआरबी) डाटा के मुताबिक वर्ष 2021 में लगभग 1 लाख 55 व्यक्तियों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई है। जाहिर है, जख्मियों की संख्या अधिक यानी 3 लाख 71 हजार रही, जबकि कुल सड़क दुर्घटनाओं की गिनती 4 लाख से ऊपर है।

ब्यूरो ने राज्य-वार आंकड़े और विस्तृत जानकारी में दुर्घटनाओं में शामिल वाहनों की किस्में भी बताई हैं। मीडिया खबरों में हर वर्ष एनसीआरबी द्वारा जारी रिपोर्ट का जिक्र बस एक रिवायत भर है, जबकि शेष पूरे साल इस पर नाममात्र या किसी प्रकार की सार्वजनिक चर्चा नहीं होती।

यही सही समय है जब हम सड़क सुरक्षा को महज कानून-व्यवस्था का मामला समझना बंद करें। यह एक विकास और स्वास्थ्य संबंधी विषय है। संयुक्त राष्ट्र आमसभा ने पिछले साल मौजूदा दशक को 'वैश्विक सड़क सुरक्षा दशक' मनाने की घोषणा की है, वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हादसों में मौतों की भारी संख्या और अपंगता के मद्देनजर सड़क सुरक्षा को 'मुख्य स्वास्थ्य चिंता' वर्ग में रखा है। किसी भी अन्य स्वास्थ्य समस्या की तरह, इस व्याधि के जोखिम अवयवों की शिनाख्त और निदान करके निपटा जा सकता है। इनमें, खराब इंजीनियरिंग से बनी सड़कें, घटिया रखरखाव और परिचालन स्थितियां, नियम लागू करवाने में उदासीनता (लेन-ड्राइविंग, गति-सीमा, नशा करके वाहन चलाना, सीट-बेल्ट और हेलमेट का अनिवार्य उपयोग इत्यादि) और समय रहते जीवनरक्षक आपातकालीन उपचार मिलना भी शामिल है।

पिछले कुछ दशकों में सड़क जाल में बहुत विस्तार हुआ है उच्चमार्ग, एक्सप्रेस-वे इत्यादि साथ ही अंतरनगरीय मार्गतंत्र जैसे कि पुल, फ्लाईओवर, सर्विस लेन वगैरह बहुत बने हैं। लेकिन सड़क सुरक्षा उपायों की रफ्तार मार्ग-विस्तार की चाल से कदमताल नहीं कर पाई। मसलन, आवागमन समय में कटौती करने हेतु कारों-ट्रकों की आवाजाही तेज बनाने को, कई जगहों पर मुख्य मार्ग में विलय होने वाली सड़कों की संख्या सीमित करते हुए एक्सप्रेस-वे बनाए गए हैं। हालांकि इन पर रफ्तार की ऊपरी सीमा तय है लेकिन लोगबाग कहीं अधिक तेज चलाते हैं, लिहाजा दुर्घटना का मौका ज्यादा बनता है। डाटा बताता है कि भारत में एक्सप्रेस-वे दुर्घटना दर शेष राष्ट्रीय और राज्य मार्ग औसत से अधिक है। नोएडा और आगरा को जोड़ने वाला 155 कि.मी. लंबा यमुना एक्सप्रेस-वे एक उदाहरण है।

पुलिस के अनुसार इन तेज गति मार्गों पर विविध कारणों से दुर्घटनाओं में अधिक मौतें हुई हैं। मसलन, चालक की ऊंघ, गति सीमा उल्लंघन और उच्च मार्ग पर अनधिकृत पार्किंग। गांवों के नजदीक यथेष्ट संख्या में पैदल पार-पुल या अंडरपास न होने की वजह से लोग जोखिम उठाकर सड़क पार करते हैं। आवारा पशु भी खतरा बढ़ाते हैं, ले-बाइलेन नदारद हैं। तथापि प्रशासन को सड़क सुरक्षा सर्वेक्षण-विश्लेषण करवाना गवारा नहीं ताकि सुधारात्मक उपाय हो सकें। यमुना एक्सप्रेस-वे की तर्ज पर मुंबई-पुणे, मुंबई-अहमदाबाद और चेन्नई-बंगलुरू उच्चमार्ग की भी ऐसी समीक्षाएं निरंतर करके जरूरी सुधार किए जाएं।

शहरी सड़क तंत्र जैसे कि फ्लाईओवर और क्लोवर लीव्स का डिजाइन केवल

इंजनचालित वाहनों को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। इनमें पथिक, साइकिल सवार और गैर-यांत्रिक परिवहन की कोई परवाह नहीं होती। सार्वजनिक परिवहन बस का भी ध्यान नहीं रखा जाता। अक्सर बस स्टॉप की लोकेशन यात्रियों के लिए असुविधाजनक स्थान पर होती है और जोखिम उठाकर बस में सवार होना पड़ता है। स्काईवॉक और पैदल-पार पुल का निर्माण करने की याद बहुत बाद में आती है। इसके अलावा, जहां कहीं यह बने हैं, वहां डिज़ाइन खामियां या लोकेशन संबंधित मुश्किलों की वजह से उपयोग बहुत कम है। नगर प्रशासन और निकाय इनकी वास्तविक उपयोगिता और रखरखाव के पहलू पर ध्यान देने की बजाय बाहरी साज-सज्जा को ज्यादा तरजीह देते हैं।

आज भी साइकिल सवार बहुत संख्या में हैं, परंतु भारतीय शहरों में अलहदा साइकिल ट्रैक नगण्य हैं। जहां कहीं हैं भी, तो लेन मुख्य सड़क से जुदा नहीं है, नतीजतन इंजनचालित वाहन अक्सर अतिक्रमण करते हैं। भारत के शहरों में अलग साइकिल ट्रैक की जरूरत केवल मौजमस्ती की साइकिलिंग के लिए नहीं बल्कि रोजाना उपयोग के लिए है। स्थानीय निकाय गैर-जरूरी सौंदर्यीकरण, जैसे कि फ्लाईओवर के नीचे सेल्फी प्वाइंट्स और मार्गों के किनारे विविध सजावटी रेलिंग-फर्नीचर या फव्वारे इत्यादि पर अच्छा-खासा धन खर्च करते हैं, इसकी बजाय, पैदल और साइकिल सवार मित्र ट्रैक बनाकर, सुरक्षा यकीनी करनी चाहिए।

ट्रॉमा केयर एक अन्य तुरंत ध्यान की विषयवस्तु है। सही जगह पर स्थित एक पूर्ण-सुसज्जित ट्रॉमा सेंटर होना जान बचाने में बहुत महत्वपूर्ण है। ट्रॉमा सेंटर पहुंचने वालों का डाटा विश्लेषण करके, इनके बीच नेटवर्क बनाने से घायल का समय रहते इलाज-देखभाल गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।

दिल्ली में कुछ वर्ष पहले शुरू की गई ट्रॉमा रजिस्ट्री ने 'गोल्डन ऑवर' के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी कि कैसे दुर्घटना के बाद त्वरित उपचार घायल को बचाया सकता है। कुछ आसान उपायों से प्रतिक्रिया समय काफी सुधारा जा सकता है, जैसे ही घायल को एम्बुलेंस में डाला जाए, मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए आसपास के सभी ट्रॉमा केंद्रों को पूर्व सूचना पहुंच जाए ताकि उपचार में देरी न हो। राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर ट्रॉमा सेंटरों को मोबाइल एप्लीकेशन तंत्र से जोड़कर, पूर्व सूचना मिलने से, त्वरित उपचार समय में कटौती और परिणाम की गुणवत्ता को सुधारा जा सकता है।

दशकों से सरकारों ने सुरक्षा के नाम पर केवल जुबानी काम किया है। सड़क सुरक्षा सप्ताह हमेशा की तरह सतही बातों से शुरू होकर खत्म हो जाता है। वर्ष 2005 में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। खाका बनाने में दस साल लग गए, दिए गए सुझावों में एक था इस नीति के क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड का गठन। वर्ष 2021 के अंत तक इसके लिए अधिसूचना जारी हो पाई। प्रस्तावित रूपरेखा के मुताबिक लगता है कि कहीं यह बोर्ड परिवहन मंत्रालय के अंतर्गत एक दफ्तर बनकर न रह जाए।

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने को सुझाए गए प्रावधान प्रभावी रूप से लागू करवाने के लिए बोर्ड का स्वतंत्र और शक्ति-संपन्न होना जरूरी है, वह जो वाहन, सड़क और लोगों के लिए सुरक्षा मानक विकसित करने और क्रियान्वन करवाने की क्षमता रखता हो।

# महानगरों में बाढ़

**सिद्धार्थ शंकर**

हर वर्ष एक हजार 600 से अधिक लोगों की मौत बाढ़ के कारण होती है, जबकि 3.2 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं। हर वर्ष 92 हजार पशु अपनी जान गंवा देते हैं और 70 लाख हेक्टेयर जमीन प्रभावित होती है। साथ ही 5 हजार 600 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान होता है। यह सब हमारी विकास की अंधी दौड़ के कारण हो रहा है। प्राकृतिक रूप से माना जाता है कि बाढ़ कम समय में ज्यादा बारिश के कारण आती है। लेकिन शहरों के मामले में और भी कारण हैं। देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई हो या कोई और महानगर वहां बाढ़ आने की वजह है अनियंत्रित विकास, नालों, नदियों के किनारे निर्माण, नदियों, नालों में कचरे का प्रवाह, जल निकासी मार्ग बाधित, सीवरों और नालों की सफाई में लापरवाही और भ्रष्टाचार, झीलों और तालाबों का संरक्षण नहीं, पानी की निकासी के खराब इंतजाम, बाढ़ नियंत्रण के खराब इंतजाम और बांधों का निर्माण और उनमें जलभराव-निकासी की योजना में खामी आदि। इन सभी वजहों से एक बार फिर बेंगलुरु की जनता बाढ़ से हलाकान है। बेंगलुरु में पिछले एक हफ्ते से हो रही भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। यहां के कई इलाकों में इतना पानी भर गया है कि लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए नावों की मदद ली जा रही है। इससे पहले, 30 अगस्त को शहर में भारी बारिश हुई थी। तब भी ऐसे ही हालात बने थे। भारी बारिश का असर बेंगलुरु एयरपोर्ट पर भी देखा गया। एयरपोर्ट के मेन गेट पर भी पानी भर गया। कई लोगों ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पर निशाना साधा। लोगों ने कहा कि अब बेंगलुरु यूरोपीय स्तर का शहर हो गया है। यहां के इलाके वेनिस जैसे दिखाए देने लगे हैं। यानी कुल मिलाकर देखा जाए तो हमारे शहर में बाढ़ के लिए हम खुद दोषी हैं। 20 प्रतिशत मौतें भारत में हमारे शहरों का इस तरह अनियंत्रित विकास हुआ है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यहां 2-4 घंटे की बारिश में ही सड़कें लबालब हो जाती हैं, कॉलोनियों में पानी भर जाता है, नाले उफन जाते हैं और घरों में पानी भर जाता है। यानी बाढ़ के हालात निर्मित हो जाते हैं। यही कारण है कि दुनियाभर में बाढ़ की वजह से होने वाली मौतों में से 20 प्रतिशत भारत में ही होती हैं। शहरी क्षेत्रों में जलभराव तीव्र और लम्बे समय तक जारी वर्षा के कारण होता है। खासतौर से तब जब बारिश में गिरा पानी शहर की जलनिकासी तंत्र की क्षमता को पार कर जाता है। अनियोजित

निर्माण, शहरी नालों में ठोस गंदगी और जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ती बारिश, दुनिया भर में शहरी बाढ़ के जाने पहचाने कारणों में से कुछ सामान्य कारण हैं। हर शहर के विकास के लिए एक ढांचागत नीति होती है लेकिन भारत में इसका पालन कम ही होता है। शहरीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति और शहरों में बढ़ती जनसंख्या के कारण अंधाधुंध निर्माण हो रहे हैं। लगभग सभी शहरों पर जनसंख्या का दबाव ऐसा पड़ रहा है कि बाढ़ क्षेत्र में बस्तियां बसने लगी हैं। बड़ी संख्या में पुल, ओवरब्रिज समेत मेट्रो परियोजनाओं का निर्माण हो रहा है वह मौजूदा जलनिकासी मार्गों में किया जा रहा है। उचित इंजीनियरिंग डिजाइनों जैसे केंटिलीवर निर्माण आदि का सहारा लेकर ड्रेनेज सिस्टम की रक्षा की जा सकती है। जमीन सिर्फ मकान बनाने के लिए नहीं है, पानी के लिए भी है। ताल-तलैये और पोखर शहर के सोखे की तरह हैं। बाढ़ नियंत्रण के इन परंपरागत तरीके के प्रति उपेक्षा ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। जलवायु परिवर्तन के चलते बेमौसम या मानसून के दौरान जब भारी बारिश होती है तो पानी के निकलने का कोई स्थान नहीं बचता है। लिहाजा बाढ़ और विनाश अवश्यंभावी हो जाते हैं। इन्हें फिर से पुनर्जीवन देकर शहरी बाढ़ का प्रभाव कम किया जा सकता है। इसके अलावा छिद्रदार फुटपाथ बनाए जाने चाहिए जिससे पानी सतह के नीचे की मिट्टी तक पहुंच जाता है। जमीनी अध्ययन नहीं यह एक विडंबना ही है कि शहर नियोजन के लिए गठित लंबे-चौड़े सरकारी अमले पानी के बहाव के समक्ष खुद को असहाय पाते हैं। वे सारा दोष नालों की सफाई न होने, बढ़ती आबादी, घटते संसाधनों और पर्यावरण से छेड़छाड़ पर थोप देते हैं। कभी-कभी वे दूसरे विभागों पर भी दोष मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री करते हैं। इसका जवाब कोई नहीं दे पाता कि नालों की सफाई साल भर से क्यों नहीं होती? इसके लिए मई-जून का इंतजार क्यों होता है? हमारे नीति निर्धारक यूरोप या अमेरिका के किसी ऐसे शहर की सड़क व्यवस्था का अध्ययन करते हैं जहां न तो दिल्ली, मुंबई की तरह मौसम होता है और न ही एक ही सड़क पर विभिन्न तरह के वाहनों का संचालन। इसके साथ ही सड़क, अंडरपास और फ्लाईओवरों की डिजाइन तैयार करने वालों की शिक्षा भी ऐसे ही देशों में लिखी गई किताबों से होती है। नतीजा आधी छोड़ पूरी को जावे, आधी मिले न पूरी पावे वाला होता है। हम अंधाधुंध खर्च करते हैं, फिर उसके रखरखाव पर लगातार पैसा फूंकते रहते हैं। इसके बावजूद न तो सड़कों पर वाहनों की औसत गति बढ़ती है और न ही जाम से मुक्ति मिलती है। काश कोई स्थानीय मौसम, परिवेश और जरूरतों को ध्यान में रख कर जनता की कमाई को सही दिशा में व्यय करने की भी सोचे।

# बोलने से ज्यादा जरूरी देवनगरी में लिखना

यह सच है कि, अंग्रेज़ी और चीनी भाषा के बाद हिंदी ही वह तीसरी भाषा है जो विश्व में सर्वाधिक बोली व समझी जाती है। मगर विडंबना कि हिंदी को आधे से अधिक लोग पढ़ नहीं सकते, क्योंकि उन्हें लिपि के रूप में देवनागरी नहीं आती। अगर यही स्थिति बनी रही तो हिंदी, जितनी तेज़ी से बढ़ी उतनी ही जल्दी संकटमय भी हो जाएगी। लिपि के बिना भाषा जीवंत नहीं रहती। उसके भाव और उसकी व्यंजनाएं नष्ट हो जाती हैं। पहले हिंदी अख़बारों के दूर स्थित संवाददाता जब टेलीप्रिंटर से अपनी कॉपी रोमन में ही भेजा करते थे, डेस्क में लोग उन्हें देवनागरी में कर देते थे। बाद में फ़ैक्स ने इस समस्या को दूर कर दिया। आज से 20-22 वर्ष पहले तक इंटरनेट पर भी कॉपी रोमन में आती थीं। या मोबाइल से संदेशों का आदान-प्रदान रोमन में होता। अब गूगल इनपुट ने सब कुछ सहज कर दिया है। लेकिन असली दिक़्क़त यह हुई है, कि नई पीढ़ी अपनी स्कूलिंग के दौरान सीखी हिंदी की लिपि से दूर होती जा रही है। आठवीं पास करते ही अधिकांश शिक्षा बोर्ड हिंदी वैकल्पिक कर देते हैं।

अब चूंकि उच्च शिक्षा में हिंदी सिर्फ़ बोलचाल तक सिमट गई, इसलिए बच्चे लिपि से दूर होने लगे। आज भारत में भी दिल्ली, चंडीगढ़, जयपुर, लखनऊ, पटना व भोपाल में इंजीनियरिंग-डॉक्टरी पढ़ रहे बच्चे देवनागरी में संदेश तक नहीं भेज पाते, जबकि वे फ़र्राटे से हिंदी बोलते हैं। इसकी एक वजह यह कि मोबाइल में काम उन्हें अंग्रेज़ी में करने पड़ते हैं, इसलिए वे गूगल हिंदी इनपुट क्यों लोड करें। नतीजा यह कि धीरे-धीरे वे नागरी से दूर हो रहे हैं।

हालांकि ऐसा नहीं है, कि गूगल इनपुट के सहारे हिंदी की मौलिकता को बचाये रख पाएंगे। फिर भी देवनागरी तो बची ही रहेगी। अंग्रेज़ी के क्रिया-पद चूंकि हिंदी से सर्वथा उलट हैं, इसलिए बिना उन्हें समझे हिंदी में भावाभिव्यक्ति असंभव है। यही हिंदी और साथ में उर्दू की भी विशेषता है। क्रिया-पद को समझे बिना वाक्य को नहीं समझा जा सकता। इसलिए एसएमएस हिंदी में नहीं चल सके। यह ठीक है कि अंग्रेजी विश्व-व्यापी भाषा है और उसने पूरे अमेरिका महाद्वीप व आस्ट्रेलिया पर क़ब्ज़ा कर रखा है। अफ़्रीका के कई देश भी उसके मोहजाल में हैं। किंतु यह विचित्र है, कि यही अंग्रेज़ी यूरोप में ब्रिटेन को छोड़ कर कहीं भी सम्मानित भाषा नहीं बन सकी। आज भी वहां अधिकांश देशों में फ़्रेंच और जर्मन ही आम हैं। वहां सरकारें भी इन भाषाओं को आमजन की भाषाएं बनाये रखने में सहायक हैं। यही स्थिति कनाडा और अमेरिका में भी है।

लेकिन भारत में सरकारी स्तर पर हिंदी को बचाये रखने के सार्थक प्रयास नहीं हुए। इसलिए उसमें पहले तो अंग्रेज़ी शब्द ज़बर्दस्ती डाले गये और फिर क्रिया-पदों का मज़ाक़ बनाया गया। वजह बतायी गई कि ग़ैर हिंदी-भाषी राज्य हिंदी स्वीकार नहीं करेंगे। इस समस्या से निपटने के लिए अंग्रेज़ी को हिंदी के ऊपर रखा गया। एक तरह से हिंदी को अन्य भारतीय भाषाओं के विरुद्ध खड़ा कर दिया। नतीजा यह है कि अंग्रेज़ी राज कर रही है। अब अंग्रेज़ी की लिपि रोमन को हिंदी समेत सभी भारतीय भाषाओं की लिपि बनाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसीलिए कभी भी उच्च शिक्षा को हिंदी में लाने की कोशिशें नहीं हुई। हिंदी में अंग्रेज़ी शब्दों को लाने की बजाय अगर हिंदी में पंजाबी, बांग्ला, मराठी, गुजराती, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया और असमिया के शब्द लाए जाते तो अधिक तारतम्य बैठता। यूं भी ओड़िया और दक्षिण की चार भाषाओं को छोड़ बाक़ी भारतीय भाषाओं की लिपि में नागरी के ही रूपक हैं, इसलिए हिंदी को पूरे देश में मान्यता मिल जाती। जो नई पीढ़ी देवनागरी को नहीं पढ़ पाती वह समस्या भी दूर होती। हर समस्या के हल के लिए अंग्रेज़ी का सहारा लेने से समाज पंगु हो जाता है। यही कारण है कि हिंदी को बोलने वाले, उसको चाहने वाले और हिंदी के ज़रिए अपनी भावाभिव्यक्ति करने वालों की कमी नहीं है पर उसकी लिपि को पढ़ने में सक्षम लोगों की घोर कमी है।

विदेशों में जब कोई हिंदी बोलने वाला मिलता है, तो ख़ुशी होती है। भले वह पाकिस्तानी हो या बांग्ला देशी अथवा उत्तर भारतीय। किंतु तीनों के बीच एक अवरोध आता है लिपि का। इन तीनों में से कोई नहीं स्वीकार करता कि उनकी भाषा को रोमन में लिखा जाए क्योंकि रोमन उनकी भाषा की देशज पहचान समाप्त कर देगी। रोमन की अपनी अलग संस्कृति है, वाक्य विन्यास है। उसके स्वर-व्यंजन किसी भी भारतीय भाषा को उसमें लिखे जाने पर अर्थ का अनर्थ कर देंगे। यूरोपीय भाषाओं की बात अलग है। वे सब लैटिन से विकसित हुई हैं और लिपि रोमन है। जबकि हिंदी, मराठी, गुजराती और नेपाली की लिपि देवनागरी है तथा पंजाबी, बांग्ला, असमिया की लिपि इसी से मिलती-जुलती है। संस्कृत, प्राकृत और पाली तथा अपभ्रंश से विकसित हुई भाषाओं में सिर्फ़ ओड़िया की लिपि है। बाक़ी तमिल, कन्नड़ और मलयालम की लिपियां तेलुगू से ही विकसित हुईं। हिंदीभाषी क्षेत्रों में संपर्क भाषा के रूप में विकसित हुई उर्दू की लिपि अरबी-फ़ारसी है। गांधी जी हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी को एक भाषा ही मानते थे।

स्वयं महात्मा गांधी ने 3 अप्रैल 1937 को अपने पत्र 'हरिजन' में लिखा था, कि 'रोमन और उर्दू लिपि में वह संपूर्णता और ध्वन्यात्मक शक्ति नहीं है, जो देवनागरी में है।' वे राष्ट्रीय एकता के लिए देवनागरी को आवश्यक मानते थे। वे यह भी कहते थे, कि तमिल, तेलुगू, कन्नड़ व मलयालम से अशिक्षित लोगों को इन भाषाओं का साहित्य देवनागरी लिपि में पढ़ाया जाए। आज़ादी मिलने के बाद बीबीसी ने महात्मा गांधी का एक इंटरव्यू लिया तो गांधी जी बोले, दुनिया से कह दो कि गांधी आज से अंग्रेज़ी नहीं जानता। गांधी जी ने देश की स्वतंत्रता की लड़ाई को भी हिंदी से जोड़ा था। इसीलिए शुरुआत में ही उन्होंने दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा बनवाई। इसका दफ़्तर भी उन रामस्वामी नायकर के घर पर बनवाया, जो हिंदी विरोधी के रूप में जाने जाते थे।

दरअसल, हिंदी का जो मूल चरित्र है, उसके शब्द और उसे बोलने की ध्वनि को उसके अनुरूप लिखने की क्षमता सिर्फ़ देवनागरी के पास है। देवनागरी पहले संस्कृत के लिए इस्तेमाल होती थी। अन्य संस्कृत मूल की भाषाओं प्राकृत और पाली के लिए ब्राह्मी लिपि थी, जो थोड़ा भिन्न थी। लेकिन आज उन भाषाओं के शब्द देवनागरी में लिखे जा सकते हैं। ब्राह्मी लिपि से ही बनते-बिगड़ते आज की सुदृढ़ और सुघड़ देवनागरी बनी। अलबत्ता हड़प्पा क़ालीन लिपि को अभी तक नहीं पढ़ा जा सका है। देखा जाए तो ब्राह्मी ही सबसे पुरानी लिपि है, और एशिया की अधिकांश भाषाओं ने अपनी लिपि ब्राह्मी से ली। सम्राट अशोक के शिलालेख ब्राह्मी में हैं। कई शोध से यह निष्कर्ष भी निकाला गया है, कि दक्षिण भारत की चारों भाषाओं- तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम को लिखने के लिए इनकी लिपियां भी ब्राह्मी का सुधरा हुआ रूप हैं। इसलिए ब्राह्मी और देवनागरी ही वे लिपियां हैं, जो हिंदी-उर्दू की शब्द क्षमता को व्यक्त कर सकती हैं।

शंभूनाथ शुक्ल

पूरे विश्व में दक्षिण एशियाई देशों से गए प्रवासियों को इंडियन ही कहा जाता है, भले वे भारतीय, पाकिस्तानी, बांग्ला देशी, श्रीलंकाई, नेपाली या भूटान के हों। इनमें से सिर्फ़ पाकिस्तानी ही अपनी उर्दू-हिंदी या पंजाबी, बलूची व सिंधी बोलियों को अरबी-फ़ारसी लिपि में लिखते हैं। इससे जो वह बोलते हैं, उस तरह का पूरा लेखन संभव नहीं हो पाता। इसका उपाय है, देवनागरी में लिखने को प्रश्रय देना। किंतु यह कैसे संभव है जब भारत के दूतावास, वाणिज्यिक दूतावास और कॉमनवेल्थ देशों के उच्चायोग स्वयं ही अंग्रेज़ी में कामकाज करते हों और हिंदी दिवस पर अपना भाषण रोमन लिपि में लिखी ज़ुबान में पढ़ते हों। कवि भवानी प्रसाद मिश्र ने लिखा है, 'जिस तरह मैं बोलता हूं, उस तरह तू लिख!' इसके लिए सिर्फ़ और सिर्फ़ देवनागरी ही विकल्प है।

# जिला अस्पताल में भर्ती महिला की बुखार के चलते हुई मौत

## परिजनों ने लगाया लापरवाही व अभद्रता का आरोप

## अस्पताल प्रबंधन ने पैनल गठित कर दिए दो दिन में जांच के निर्देश

**माही की गूंज, मंदसौर।**

जिला अस्पताल के महिला मेडिकल वार्ड में मंगलवार को नीमच के ग्राम हरवार निवासी नंदूबाई अहिरवार (45) की मौत हो गई। उसे बुखार के चलते भर्ती कराया था। मौत के बाद परिजन व भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने अस्पताल में 6 घंटे तक हंगामा किया। उन्होंने नर्सों पर लापरवाही व अभद्रता का आरोप लगाया। मृतका के समीप भर्ती मरीज ने भी इस बात की पुष्टि की है। उसके अनुसार ऑक्सीजन लगाने का कहने पर नर्स ने जवाब दिया, मर थोड़ी रही हैं, पहले पोंछा लगने दो लेकिन 15 मिनट बाद ही महिला ने तड़पकर दम तोड़ दिया।

मामले को बढ़ता देख मौके पर एडीएम, एसडीएम, सीएसपी व शहर कोतवाली, वायडीनगर तथा नई आबादी टीआई बल के साथ पहुंचे। आक्रोशित लोगों ने आधे घंटे तक अस्पताल के सामने रोड जाम किया। उनकी मांग थी कि, नर्सों व डॉक्टर को तत्काल गिरफ्तार कर कार्रवाई करें। जिला अस्पताल प्रबंधन ने पैनल गठित कर दो दिन में जांच के निर्देश दिए। साथ ही जांच प्रभावित ना हो, इसके लिए और दोनों नर्स पूजा पाटीदार व पूजा झाडे को शहरी स्वास्थ्य केंद्र नृसिंहपुरा में अटैच कर दिया। जांच आरएमओ डॉ. केसी दवे की निगरानी में की जा रही है। शाम 7 बजे तक स्टाफ के बयान दर्ज किए।

### प्रत्यक्षदर्शी: चिल्लाने के बाद आई नर्स बोली, हट बुढ़िया

महिला वार्ड में मृतका के बिस्तर के समीप ही भर्ती मरीज व चश्मदीद रीता दुबेला ने बताया, परिजन बुजुर्ग महिला ने नर्स को कहा कि, मैडम हिचकियां बहुत चल रही हैं, प्लीज आप देख लीजिए। हमने कहा ऑक्सीजन लगा दीजिए। नर्स कहती है कि, मर थोड़ी रही है, अभी पोछा लग रहा है, सफाई होगी उसके बाद देखेंगे। 10 मिनट बाद फिर हम सभी मरीज चिल्लाए। इसके बाद नर्स आई और बोली बुढ़िया हट... ये मर तो नहीं गई लेकिन तब तक महिला दम तोड़ चुकी थी। यदि समय पर ऑक्सीजन लगा देते तो शायद जान बच जाती। रीता ने बताया कि अस्पताल के हर वार्ड में सभी बिस्तरों पर दो-दो मरीजों को लेटा रखा है। इससे भी मरीज परेशान हैं।

### सुबह 8 बजे मौत, शाम 7 बजे स्टाफ के बयान लिए

महिला वार्ड में सुबह करीब 8 बजे महिला की मौत। 9 बजे वार्ड में हंगामा होने लगा। सुबह 11 बजे से वार्ड से लेकर जिला अस्पताल के मुख्य द्वार पर हंगामा मच गया। मौके पर अपर कलेक्टर आरपी वर्मा पहुंचे और सिविल सर्जन से जानकारी ली। आक्रोशित लोगों ने दोपहर 12.20 बजे अस्पताल के सामने रोड जाम कर दिया। 12.25 बजे डॉ. हिमांशु यजुर्वेदी समझाइश देने आए, 12.45 बजे शहर कोतवाली टीआई अमित सोनी पहुंचे। लोगों को आधे घंटे से अधिक देर तक समझाइश देने के बाद हटाया। सीएमएचओ डॉ. अनिल नकुम ने भी समझाइश दी। मामला बढ़ता देख सीएसपी सतनामसिंह, वायडीनगर टीआई जितेंद्र पाठक, नई आबादी टीआई जितेंद्रसिंह सिसौदिया सहित पुलिस बल पहुंचा। अंत में एसडीएम बिहारी सिंह भी पहुंचे और आश्वासन दिया। शाम 7 बजे तक स्टाफ के बयान दर्ज किए।

### पीएम के लिए ले जाते समय 4 बार शव को रोका

महिला की मौत के बाद पदाधिकारियों ने शव को पीएम कराने से रोका, साथ ही मांगें पूरी होने पर ही शव उठाने की बात कही। इस तरह करीब 4 बार पीएम के लिए ले जाने के दौरान शव रोका गया। 3 डॉक्टरों की पैनल ने पीएम किया।

### दोनों फेफड़ों में अधिक संक्रमण फैल चुका था

पूरे मामले में सिविल सर्जन डॉ. डीके शर्मा ने बताया कि, 10 सितंबर को महिला नंदूबाई इमरजेंसी में भर्ती हुई थी। डॉक्टर ने एक्स-रे व सोनोग्राफी कराने को कहा था। एक्स-रे में दोनों फेफड़ों में अधिक संक्रमण फैलना पाया गया। परिजन ने सीटी स्कैन नहीं कराई। 12 सितंबर को रातभर नर्सों ने किसी डॉक्टर को कॉल नहीं किया, मरीज सुबह सीरियस हुई और मौत हो गई। परिजन ने लापरवाही सहित अभद्र व्यवहार के आरोप लगाए हैं। दोनों नर्सों को अटैच कर दिया है।

## नगर की माटी पर भारत मां के लाल का किया भव्य स्वागत

**माही की गूंज, शुजालपुर।** सैनिक अपने घर परिवार की परवाह किए बिना देश की रक्षा हेतु अपने प्राणों की आहुति देने के लिए हमेशा तटस्थ रहा है। उसने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण तक न्योछावर व देश पर मर मिटने का जज्बा दिखाया। हम बात कर रहे हैं, शुजालपुर क्षेत्र के हरिचरण परमार की जिन्होंने 28 अगस्त 1996 में भारतीय थल सेना में जॉइनिंग की और 26 वर्ष अपनी सेवाएं प्रदान की। खास बात यह रही की एक ही परिवार से दो बेटों द्वारा देश मे सेवाएं दी गई है।उन्हीं की घर वापसी पर क्षेत्र के लोगों और परिजनों द्वारा रोड पर हथेलिया बिछा दी गई और फूलों की बरसात से भव्य स्वागत किया गया। इनकी उपलब्धि की बात करें तो सिपाही से लेकर एसीपी नायक सूबेदार तक का सफर बड़ा ही संघर्षपूर्ण रहा। इस संघर्ष में दुश्मनों द्वारा जानलेवा हमला भी किया गया, उसके बावजूद भी डट कर मुकाबला कर खदेड़ा। बता दें कि, 26 जुलाई 1999 तक कारगिल के युद्ध में जहां 60 डिग्री तापमान द्रास सेक्टर उस युद्ध में 6 जून 1999 को 308 फील्ड हॉस्पिटल के मेडिकल स्टोर को दुश्मनों द्वारा उड़ा दिया गया। वहां पर भी पदस्थ रहे और अपनी बहादुरी से अपनी सेवाएं दी है। जब उसी भारत मां का बेटे ने स्वस्थ सुरक्षित अपने क्षेत्र में वापसी की तो लोगों के खुशी के ठिकाने नहीं रहे सभी फूल माला लेकर स्टेशन की ओर दौड़ पड़े जहां उनके आते ही लोगों द्वारा भारत मां की जय के नारे से गूंज उठा और पूरा क्षेत्र देश प्रेम में रंग गया वही एक खास नजारा देखा गया है। जिसमें शहर के प्रतिष्ठित जनप्रतिनिधि भी फौजी बेटे के सम्मान में माला लेकर रोड पर खड़े हो गए।

कालापीपल विधायक कुणाल चौधरी, कांग्रेस सचिव गजेंद्र सिंह सिसोदिया, नगरपालिका अध्यक्ष बबीता परमार और कालापीपल जनपद अध्यक्ष भोजराज वकील द्वारा भव्य स्वागत किया गया। देश के फौजी बेटे के नगर आगमन पर सह सम्मान पूर्वक उसके नये जीवन की शुभकामनाएं देते हुए धन्यवाद किया, आपकी वजह से पूरा देश और हम सब चैन की नींद सोते रहे। आपका अपने परिवार के प्रति त्याग और देश के प्रति समर्पण को देख पुनः धन्यवाद करते हैं। आपकी इस सेवा का हमेशा देश ओर देश वासी ऋणी रहेंगे। यह सब नजारा देख भारत मां के लाल की आंखें भी नम हो गई। उसकी खुशी के ठिकाने नहीं रहे। उन्होंने सभी को धन्यवाद किया। परिवार का त्याग और देश के प्रति समर्पण सब कुछ सफल हो गया उनके चेहरे पर खुशी को देख लग रहा था मानो उसकी तपस्या का फल प्राप्त हो गया।

जब हरिचरण परमार से पूछा गया कि, अब रिटायरमेंट के बाद क्या करेंगे। तो उनका जवाब रहा कि, मैं पहले भी देश की सेवा करता था और आज भी देश की सेवा करूंगा। लोगों में जनजागृति लाऊंगा जहां मेरी किसी भी प्रकार की आवश्यकता लगेगी उस परिस्थिति में मदद के लिए हर संभव प्रयास को तत्पर रहूंगा। उनकी इन बातों को सुनकर लोगों के दिलों में उनके प्रति सम्मान कई गुना बढ़ गया और उनके साथी मित्रों द्वारा फौजी बेटे को गले से लगाकर कहा कि, हम भी आपके साथ कंधे से कंधे मिलाकर चलेंगे।

# पुलिस और चोरों में चल रहा लुका छुपी का खेल, चोरों को पकड़ने में पुलिस नाकाम

**माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट**

पुलिस की सुस्ती के कारण ग्रामीणों को रात की नींद सोना हराम हो गया है। किसान लोग दिन में तो अपनी खेती का कार्य करते हैं और रात में अपने घर मकान की रखवाली व खेतों में लगी मोटर की। ग्रामीणों को डर सा बना रहता कि, कोई चोर अपने मकानों पर हाथ सफा न कर दें। विगत एक माह में हुई दर्जनों चोरियां ने ग्रामीणों की दिल की धड़कन बढ़ा दी है कि कहीं हमारे यहां चोर धावा न बोल दे। इस डर के कारण ग्रामीणों द्वारा रात-रात भर जाग कर अपने खुद के निजी मकान व खेत में लगे बोरिंग की मोटर की रखवाली कर रातों की नींद हराम कर रहे हैं। चोरों की दहशतो से सो भी नहीं पा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में हुई कई चोरियां जिसमें लोगों के मकान के ताले तोड़कर लाखों की भैंस चोरी हो जाने से व सोयाबीन चोरों द्वारा चोरी कर ले जाने के कारण ग्रामीण जन भयभीत रहने लगे हैं कि कहीं चोर अपने घर का ताला ना चटका दे।

ग्रामीणों द्वारा शुजालपुर मंडी थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई मगर उनका कीमती सामान न मिल सका। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि, हमारे द्वारा नामजद रिपोर्ट कराई गई मगर पुलिस और चोरों की लुका छुपी का खेल खेल रही है। समझ नहीं आ रहा है कि, पुलिस प्रशासन किस राह पर चलते कार्रवाई कर रही है यह ग्रामीणों की समझ के परे हैं। आखिर पुलिस प्रशासन कार्रवाई करने में इतने ढील पोल रवेये का उपयोग क्यों कर रही है। यह भी आमजन के मुंह पर चर्चा का विषय बना हुआ है या फिर सब कुछ देख कर नजरअंदाज किया जा रहा है।

पुलिस प्रशासन द्वारा चोरियों का खुलासा न कर फालतू की फिजूल कामों पर ध्यान दिया जा रहा है न कि ग्रामीणों की समस्याओं को हल किया जा रहा है। आखिर यह समस्या पुलिस प्रशासन के होते हुए भी ग्रामीणों को कब तक झेलना पड़ेगी। या फिर ग्रामीण खुद ही रोड पर आए व सरकार व पुलिस प्रशासन की आंखों का काला चश्मा उतारे। क्या इसी बात का शाजापुर जिला प्रशासन इंतजार कर रहा है। अगर यही देखने को मिला तो ग्रामीण की जनता रोड पर भी उत्तर सकती है यह भी बहुत जल्द जिला प्रशासन को देखने को मिल सकता है।

### यहा हुईं चोरीया

मोहन मेवाडा की चार भेस, अचल केदार सिंह 3 भेस, वीरा रेस्टोरेंट, प्रेम सिंह सिसोदिया की कुंटलो से सोयाबीन व पानी की मोटर, बाबा रेस्टोरेंट के पास सरिए की चोरियां अब तक हो चुकी है।

### 181 पर की शिकायत

गांव वालो ने चोरों के बढ़ते प्रकोप व पुलिस प्रशासन द्वारा कार्रवाई नही किए जाने से परेशान होकर सीएम हेल्पलाइन 181 पर भी शिकायत की गई है और मुख्यमंत्री से अब न्याय की उम्मीद लिऐ बैठे हैं।

# फोरलेन पर शव रख किया प्रदर्शन, हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ सड़क पर गुस्सा

## हत्या का प्रकरण दर्ज करने की मांग, अवैध निर्माण की हो रही जांच

**माही की गूंज, रतलाम।**

फोरलेन स्थित सेजावता और इप्का कंपनी के बीच बुधवार सुबह एक गुंडे के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश फूट गया। बदमाश की गाड़ी से टक्कर के बाद युवक की मौत पर ग्रामीणो ने जमकर हंगामा करते हुए शव को फोरलेन पर रख पुलिस और जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नाराजगी जाहीर की। जिला और पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और बदमाश पवन मीणा के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मृतक शांतिलाल डाबी के भाई भीमसिंह डाबी ने बताया कि, बदमाश पवन मीणा फोरलेन पर वसूली सहित अन्य गैर कानूनी कार्य खुलेआम करता है। उसका भाई शांतिलाल मिस्त्री का काम करता था। एक माह पहले उसने नई मोटरसाइकल खरीदी थी। इसका फायनेंस प्राइवेट कंपनी से हुआ था। बदमाश मीणा प्राइवेट कंपनी की ओर से किश्त नहीं भर पाने वालों से वसूली करता है। 3-4 दिन पहले शांतिलाल को आरोपी मीणा ने डराया और धमकाया था। इसके बाद दोनों के बीच विवाद भी हुआ था। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि शांतिलाल की मौत दुर्घटना से नहीं हुई बल्कि उसकी बदमाश मीणा ने हत्या की है। ग्रामीणों ने पवन मीणा के फोरलेन स्थित अवैध मकान को तोड़ने सहित उसके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग प्रमुखता से की।

शव को फोरलेन पर रख प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर एसडीएम सहित एसडीओपी और पुलिस बल पहुंचा। अधिकारियों को काफी आक्रोश का सामना भी करना पड़ा। इसके बाद आरोपी मीणा के फोरलेन स्थित अवैध निर्माण की जाँच के लिए राजस्व विभाग के कर्मचारियों को बुलाया गया।

ग्रामीण एसडीओपी संदीप निगवाल ने बताया कि, दुर्घटना के मामले की जाँच सभी बिंदुओं पर जारी है। आरोपी मीणा के खिलाफ औद्योगिक थाना में आधा दर्जन आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पूर्व में उसके खिलाफ जिलाबदर की भी कार्रवाई हो चुकी है। वर्तमान में फोरलेन स्थित निर्माण की राजस्व विभाग जांच कर रहा है।

# दो पक्षों में आपसी रंजिश के चलते चली तलवारे, एक की हुई मौत

**माही की गूंज, मंदसौर।**

वायडीनगर थाना क्षेत्र में जग्गाखेड़ी स्थित संजय हिल्स कॉलोनी के पास झुग्गी-झोपड़ी में रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। इस दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के युवक पर तलवार से हमला कर दिया। घटना में युवक गंभीर घायल हो गया। इसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार संजय हिल्स कॉलोनी के पास स्थित इंदिरा कॉलोनी में सोमवार देर रात अजहर पिता याकूब शाह का पास में रहने वाले लोगों से विवाद हो गया।

विवाद बढ़ने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने अजहर पर तलवार से हमला कर दिया। इसमें अजहर को गंभीर चोट आई। उसे गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल लेकर आए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर मंगलवार को पीएम किया। मामले में पुलिस ने जांच कर कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपी इंदिरा कॉलोनी निवासी अनु पादरी, विशाल पादरी और काली पादरी को गिरफ्तार किया।

### 2021 में हुआ था विवाद

वायडीनगर थाना टीआई जितेंद्र पाठक ने बताया, 2021 में अजहर का विशाल के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। तब से ही दोनों पक्षों में रंजिश चल रही थी। इनके घर भी आमने-सामने हैं। सोमवार रात भी दोनों पक्षों के बीच मारपीट में अजहर को अंदरुनी चोट पहुंची थी। इससे उसकी मौत हो गई।

## परिवार जनों से मिलन व धन्यवाद यात्रा ग्राम औसरना एवं मोखमपुरा में संपन्न

**माही की गूंज, मंदसौर।** जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 17 से ऐतिहासिक जीत होने के पश्चात जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनुप्रिया विनीत यादव ने ग्राम औसरना एवं मोखमपुरा मे सभी परिवार जनों से रूबरू होकर धन्यवाद यात्रा निकाली गई। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मनुप्रिया विनीत यादव का भव्य स्वागत जगह-जगह ग्रामीण जनों व महिलाओ द्वारा किया गया। इस यात्रा के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने ग्रामीण जनों से चर्चा के दौरान कहा कि, यह जीत आप सभी मतदाताओं के आशीर्वाद से ही हासिल हुई है। यह जीत आप सभी मतदाताओं की ही जीत है।

वहीं पूर्व विधायक स्वर्गीय राजेश यादव के पुत्र विनीत यादव ने भी ग्रामीण जनों को जीत के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही कहा कि, यह जीत हम सबकी हैं जिस तरह पूर्व में इसी वार्ड क्रमांक 17, यही चुनाव चिन्ह दो पत्ती, वह जीत के बाद, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मेरे पिता स्वर्गीय राजेश यादव बने थे। इतिहास पुनः दोहराया गया है। इस अपार स्नेह के लिए आप सभी का बहुत-बहुत साधुवाद करता हूँ। इस यात्रा के दौरान भेसोदा मंडल अध्यक्ष सौदान गुर्जर, मंडल महामंत्री पप्पू सिंह हाड़ा, सरपंच निर्मल मीणा, उपसरपंच गमेरसिंह, लेखराज मीणा, रघुनाथ, विक्रम सिंह, पवन, निर्मल, नेपाल सिंह, ईश्वर पाटीदार,बनवारी लाल, ओम प्रकाश, महावीर यादव, बालचंद मीणा, रमेश गुर्जर आदि भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# पहले से शादीशुदा इंजीनियर पति पर दूसरी पत्नी ने लगाया बलात्कार का आरोप

**माही की गूंज, मंदसौर।**

ग्वालियर में एक महिला ने अपने इंजीनियर पति के खिलाफ बलात्कार का केस दर्ज करवाया है। महिला की शादी 8 महीने पहले हुई थी। शादी के 16वें दिन उसे पता चला कि उसका पति पहले से शादीशुदा है। पहली पत्नी से तलाक का मामला इंदौर कोर्ट में चल रहा है। महिला ने यह बात छिपाने का कारण पूछा तो पति ने पीटना शुरू कर दिया। मोबाइल छीन लिया और कमरे में बंधक बनाकर रखने लगा। उसने कई बार सेक्स पावर बढ़ाने की गोलियां खाकर दुष्कृत्य किया। रविवार शाम को महिला की शिकायत पर महाराजपुरा पुलिस ने केस दर्ज कर डायरी मंदसौर पुलिस को भेज दी है।

### 23 जनवरी 2022 को हुई थी शादी

शहर के सागरताल के पास की रहने वाली महिला 26 साल की शादी 23 जनवरी 2022 को ग्वालियर निवासी के साथ हुई थी। पति मंदसौर बिजली कंपनी में बतौर इंजीनियर पदस्थ है। शादी के अगले ही दिन 24 जनवरी को वह पत्नी को अपने साथ मंदसौर ले गया। यहां उसे पता चला कि पति पहले से शादीशुदा है और पहली पत्नी से तलाक का मामला इंदौर कोर्ट में चल रहा है। पत्नी ने मामला छिपाने का कारण पूछा तो पति नाराज हो गया। उसके साथ मारपीट की और बंधक बना लिया। वह पत्नी को कमरे में बंद रखकर यातनाएं देने लगा।

### सेक्स पावर बढ़ाने की गोली खाकर करता दुष्कर्म

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि, पति की इस हरकत के बाद उसने उससे दूरी बनाने की कोशिश की। ऐसे में पति सेक्स पावर बढ़ाने की गोलियां खाकर दुष्कर्म करने लगा। उसने कई बार ऐसा किया। पीड़िता ने बताया कि पति को उसे यातनाएं देने में बहुत मजा आता था।

### दूसरी लड़कियों से हैं संबंध

पीड़िता को पता चला कि, उसके पति के दूसरी लड़कियों से भी संबंध हैं। इसके बाद पति का अत्याचार और बढ़ गया। उनसे मोबाइल ले लिया और मायके में बात कराना बंद कर दिया। उसे एक कमरे में बंधक बनाकर रखने लगा। कुछ कहती तो पीटता था। एक दिन मौका मिला तो वहां से भागकर पिता के घर ग्वालियर आ गई।

### सास-ससुर ने पीटा, रिश्ता तोड़ा

पीड़िता ने बताया, जब मैं शिकायत करने अपने माता-पिता के साथ ससुराल गई तो सास-ससुर ने हमें मारकर घर से भगा दिया। हमने फिर भी रिश्ता बचाने का प्रयास किया। 28 अगस्त को आखिरी बार उसने बात की, लेकिन बात नहीं बनी। इसके बाद हमने केस करने का मन बनाया और वकील से राय लेने के बाद रविवार शाम को केस दर्ज करवाया। सीएसपी रवि भदौरिया ने बताया कि महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। घटनाक्रम मंदसौर जिले का होने पर केस डायरी वहां भेज दी गई है।

# अवैध हथियार तस्करों के विरुद्ध पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

**माही की गूंज, खरगोन।**

अवैध हथियारों के निर्माण, क्रय/विक्रय पर प्रशासन लगातार निगाह बनी हुई थी तथा इसकी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने के संबंध मे निर्देशित कर मॉनिटरिंग की जा रही थी।

इसी क्रम में अवैध हथियारों के विरुद्ध संचालित विशेष अभियान में प्रभावी कार्य योजना बनाई गई। कार्य योजना के तहत थाना गोगांवा के ग्राम सिगनूर एवं थाना भगवानपुरा के ग्राम धुलकोट क्षेत्र के पूर्व के अवैध हथियारों के प्रकरणो में गिरफ्तार किये गये आरोपियों के संबंध में जानकारी एकत्रित की गई। जिसमें जिला सायबर सेल टीम द्वारा भी कार्य योजना के तहत पुख्ता जानकारियां एकत्रित की गई व पुराने मुखबिर तंत्रो को भी सक्रिय किया गया। जिसके परिणामस्वरूप गत दिवस मंगलवार को विश्वसनीय मुखबिर के जरिये सुचना प्राप्त हुई कि, ग्राम सिगनूर व ग्राम धुलकोट के कुछ पुराने अपराधियों के द्वारा पिछले कई दिनों से भारी संख्या में अवैध हथियार बनाये गये हैं। जिनकी डिलीवरी ग्राम सिगनूर व ग्राम धुलकोट के बाहर सुबह 8 से 10 बजे में मध्य जिले के बाहर से आने वाली पार्टियों को करना है। सूचना बहुत ही महत्वपूर्ण व विश्वसनीय थी अतः तत्काल फील्ड ऑपरेशन करने का निर्णय लिया गया।

पुलिस अधीक्षक खरगोन धर्मवीर सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन में सूचना पर से प्रभावी कार्यवाही के लिए एसडीओपी बड़वाह विनोद दीक्षित एवं एसडीओपी भीकनगांव संजू चौहान के नेतृत्व में रेड कराये जाने का निर्णय लिया गया। जिसमें एसडीओपी बड़वाह को थाना भगवानपुरा के ग्राम धुलकोट व एसडीओपी भीकनगांव को थाना गोगांवा के ग्राम सिगनूर में रेड ऑपरेशन करने के लिए निर्देशित किया गया। ग्राम धुलकोट में एसडीओपी बड़वाह के हमराह थाना भगवानपुरा, थाना बिस्टान, थाना मेनगांव, डीआरपी लाइन व सायबर सेल की टीम द्वारा रेड करने के लिए लगाया गया। इसी प्रकार एसडीओपी भीकनगांव के हमराह थाना भीकनगांव, थाना गोगांवा, थाना चैनपुर, महिला थाना व अजाक थाना का बल लगाया गया।

मुखबिर की सूचना के आधार पर देर रात्रि पुलिस टीमों ने दिए गए दायित्वों के अनुसार ग्राम धुलकोट व ग्राम सिगनूर में घेराबंदी की गई तथा पूरी कार्यवाही के दौरान कुल 4 आरोपियों को एसडीओपी बड़वाह के हमराह थाना भगवानपुरा पार्टी द्वारा व कुल 5 आरोपियों को एसडीओपी भीकनगांव के हमराह थाना गोगांवा द्वारा गिरफ्तार किया गया। जिसमें ग्राम धुलकोट से कुल 33 अवैध हथियार तथा ग्राम सिगनूर से कुल 37 अवैध हथियार इस प्रकार दोनों रेड पार्टियों द्वारा कुल 70 अवैध हथियारों को जप्त किया गया। थाना भगवानपुरा द्वारा गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्र 253/22 धारा 25(1) आर्म्स एक्ट तथा थाना गोगांवा द्वारा गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्र 481/22 धारा 25(1) आर्म्स एक्ट के पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

### इन आरोपियों को किया गिरफ्तार

पुलिस थाना भगवानपुरा की टीम ने धुलकोट के चार आरोपियो अवैध हथियार सप्लाई करने वालों को गिरफ्तार किया है। इनमें शेरसिंह पिता धर्मसिंग सिकलीगर (27), आजाद पिता छतरसिंग सिकलीगर (30), जगन पिता वीर सिंह सिकलीगर (35) एवं नरेंद्र पिता अमरसिंह उर्फ अमरजीतसिंह सिकलीगर (20) को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार थाना गोगांवा की पुलिस टीम ने सिगनुर के पांच आरोपियो को गिरफ्तार किया हैं। इनमें गंगाराम पिता मंगलसिंह सिकलीगर (24), दिलीप पिता पदमसिंह सिकलीगर (58), गोलू उर्फ मुड्डा पिता जलसिंह सिकलीगर (22), विजय पिता तूफानसिंह सिकलीगर (25) तथा प्रदीप पिता भोमसिंह सिकलीगर (32) को गिरफ्तार किया है।

### 7 आरोपियों का थानों में दर्ज अपराधिक रिकार्ड

7 आपराधियों को पूर्व में भी थानों में आपराधिक रिकार्ड दर्ज है। इनमें आरोपी विजय पिता तूफानसिंह सिकलीगर (25) निवासी सिगनूर के विरूद्ध 5 प्रकरण थानों में दर्ज है। इनमें थाना गोगांवा में धारा 579/21 अप. क्रमांक 25ए आर्म्स एक्ट, धारा 126/22 अप. क्रमांक 25ए आर्म्स एक्ट, थाना भीकनगांव में धारा 123/13 अप. क्रमांक 25ए आर्म्स एक्ट तथा थाना बिस्टान में अपराध क्रमांक 29/21 की धारा 294,323,506,34 का प्रकरण दर्ज है।

दिलीप पिता पदमसिंह सिकलीगर (58) निवासी सिगनूर का थाना गोगांवां में अपराध क्रमांक 317/20 25ए आम्स एक्ट तथा न्यायालय तृतीय अपर सत्र न्यायालय खरगोन के प्रकरण क्रमांक 29/21 धारा 25ए आर्म्स एक्ट मे आरोपी का गिरफ्तारी वारण्ट भी होना पाया गया।

प्रदीप पिता भोमसिंह सिकलीगर (32) निवासी सिगनूर के विरूद्ध दो प्रकरण आर्म्स एक्ट के दर्ज है। थाना गोगांवा में अपराध क्रमांक 77/10 की धारा 25ए आम्स एक्ट तथा थाना मेनगांव में 82/21 की घारा 25ए आर्म्स एक्ट का अपराध दर्ज है।

शेरसिंह पिता धर्मसिंग सिकलीगर (27) निवासी धुलकोट के विरूद्ध थाना भीकनगांव में अपराध क्रमांक 88/419 की धारा 25ए, 27 आर्म्स एक्ट तथा अपराध क्रमांक 174/20 की धारा 25ए, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध दर्ज है।

आजाद पिता छतरसिंग सिकलीगर (30) निवासी धुलकोट का थाना भीकनगांव में अपराध क्रमांक 193/19 की धारा 25ए, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध दर्ज है।

जागन पिता वीर सिंह सिकलीगर (35) निवासी धुलकोट थाना भीकगांव में धारा 174/20 की धारा 25ए, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध दर्ज है।

नरेंद्र पिता अमरसिंह उर्फ अमरजीतसिंह सिकलीगर (20) निवासी धुलकोट का थाना भीकनगांव में अपराध क्रमांक 349/21 की धारा 25ए, 27आर्म्स एक्ट का अपराध दर्ज है।

# नई शिक्षा नीति के अंतर्गत योग एवं शारीरिक शिक्षा विषय पर हुई कार्यशाला

**माही की गूंज, खरगोन।**

पीजी कॉलेज में प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा के निर्देशन में क्रीडा विभाग द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत बुधवार को योग एवं शारीरिक शिक्षा के महत्व विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. रविंद्र बर्वे ने मुख्य वक्ता डॉ. गगन कुमार चौधरी का परिचय कराते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

क्रीड़ा अधिकारी डॉ. गगन कुमार चौधरी ने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत ओपन इलेक्टिव सब्जेक्ट के रूप में जोड़े गए शारीरिक शिक्षा विषय के महत्व को विद्यार्थियों को सामने स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि, योग एवं शारीरिक शिक्षा को स्नातक पाठ्यक्रम का भाग बनाये जाने को उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन का एक सराहनीय व विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद कदम है। नई शिक्षा नीति की संयोजक डॉ. वंदना बर्वे ने बताया कि विद्यार्थी अब वैकल्पिक विषय के रूप में एनएसएस, एनसीसी और शारीरिक शिक्षा जैसे विषयों को भी चुन सकते हैं। डॉ. रंजीता पाटीदार ने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत मेजर, माइनर, ओपन इलेक्टिव विषय, वोकेशनल विषय और फील्ड प्रोजेक्ट की विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. गणेश पाटिल ने कोविड 19 जैसी आपदा का जिक्र करते हुए बताया कि, योग एवं शारीरिक शिक्षा की जानकारी हमारे जीवन को स्वास्थ्यवर्धक बनाये जाने के लिए भी अत्यंत आवश्यक हो गई है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तुषार जाधव ने किया और आभार प्रो. मनोज कुमार भार्वे ने माना। कार्यक्रम में प्रो. संजय कोचक तथा अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहें।

# हिन्दी दिवस : हिन्दी के क्षेत्र में उच्च अध्ययन और रोजगार के बताए अवसर

**माही की गूंज, बड़वानी।**

प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्यरत शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्षन प्रकोष्ठ द्वारा आज 70 वें हिन्दी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें डॉ. मधुसूदन चैबे ने हिन्दी के क्षेत्र में उच्च अध्ययन और रोजगार के अवसरों की जानकारी देते हुए बताया कि, हिन्दी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। पूरी दुनिया में हिन्दी जानने वाले युवाओं के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध हैं। इनमें अध्यापन, लेखन, पत्रकारिता, अनुवाद, अभिनय, उद्घोषण, दुभाषिये के रूप में कार्य करने के अवसर हैं।

हिन्दी दिवस का इतिहास बताते हुए डॉ. चैबे ने कहा कि, 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को राजकीय कार्यों की भाषा का दर्जा दिया था। यही कारण है कि 1953 से प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिलाने में साहित्यकार व्यौहार राजेंद्र सिंह की बड़ी भूमिका रही। भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 (1) में उपबंधित है कि हिन्दी भारत संघ की भाषा और देवनागरी लिपि होगी। संविधान की आठवीं अनुसूची में बाईस भारतीय भाषाओं का उल्लेख किया गया है। कार्यकर्ता प्रीति गुलवानिया ने बताया कि हिन्दी दिवस के अवसर पर कॅरियर सेल ने शुद्ध हिन्दी लेखन की नई कार्यशाला प्रारंभ करने का निश्चय किया। विद्यार्थी खुशी अग्रवाल और कार्यकर्ता प्रदीप ओहरिया ने हिन्दी के उपयोग, सम्मान, प्रचार-प्रसार, उत्कृष्ट एवं शुद्ध हिन्दी सीखने और प्रयोग करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर तीन सौ से अधिक विद्यार्थी उपस्थित थे। आयोजन में सहयोग किरण वर्मा, सलोनी शर्मा, लाली वर्मा, वर्षा मालवीया, रवीना मालवीया, वर्षा मुजाल्दे, स्वाति यादव, दिव्या पाटिल, तेहरीन खान, योगिता राठौड़, राहुल भंडोले, राहुल सेन, प्रदीप ओहरिया, धीरज सगोरे, सूरज सुल्या, जगमोहन गोले, कन्हैया फूलमाली ने किया।

# पीजी कॉलेज में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**माही की गूंज, खरगोन।**

हिंदी दिवस के अवसर पर पीजी कॉलेज खरगोन में प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा के मार्गदर्शन में बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉ. वंदना बर्वे ने बताया कि, हिंदी भाषा को संवैधानिक रूप से राजभाषा का दर्जा दिया गया है। डॉ. रविन्द्र बर्वे ने बताया कि, अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी भाषा का ज्ञान भी विद्यर्थियों के लिए आवश्यक है। वहीं डॉ. रंजीता पाटीदार ने हिंदी भाषा में वर्तनी के महत्व को स्पष्ट किया। डॉ. अकबर अली ने हिंदी को देश का गौरव और भविष्य की आशा बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर वैशाली मोरे ने किया तथा आभार डॉ. गायत्री चौहान ने माना। कार्यक्रम में डॉ. राजू देसाई, डॉ. मेश्राम, मनीषा मंडलोई, डॉ. तुषार जाधव, प्रो. संजय कोचक, प्रो. चंद्रभान त्रिवेदी, डॉ. गणेश पाटिल सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में प्रसारित हुआ ऑनलाइन वेबीनार

**माही की गूंज, बड़वानी।**

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के एनसीसी यूनिट सीनियर डिवीजन एवं सीनियर विंग के कैडेट्स द्वारा ''नशा मुक्त भारत अभियान'' के तहत आयोजित वेबीनार में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को देखा एवं सुना। कार्यक्रम मे सहभागिता हेतु 36, मध्य प्रदेश बटालियन एनसीसी खंडवा के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल राजीव कुमार के निर्देशन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल गुप्ता के संरक्षक में नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम में एनसीसी के 57 कैडेट्स ने अपनी सहभागिता दर्ज की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. दिनेश वर्मा, मीडिया प्रभारी डॉ. बलराम बघेल, सीनियर विंग के केयरटेकर डॉ. सपना गोयल, एसडी एवं एसडब्ल्यू के अंडर ऑफिसर चीमा सीताराम एवं ज्योति तथा सारे कैडेट्स उपस्थित थे।

# पशुओं में लम्पी स्किन बीमारी से बचाव के लिए ग्रामों में आयोजित किए शिविर

**माही की गूंज, खरगोन।**

कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम के निर्देशानुसार उप संचालक डॉ. सीके रत्नावत के नेतृत्व में जिला स्तरीय टीम द्वारा मंगलवार को ग्राम करोंदिया, बामखल, सिपटान, मथड़ाय, मकुंदपुरा, रामपुरा ग्रामों में निरीक्षण किया गया। पशुओं में फैलने वाली लम्पी स्किन बीमारी से बचाव के लिए विकासखण्ड कसरावद के ग्राम छोटी कसरावद में शिविर भी आयोजित किया गया। शिविर में बीमारी से ग्रसित 7 पशुओं का उपचार, 460 पशुओं में टीकाकरण किया गया तथा ग्रसित पशुओं के रक्त नमूने जांच हेतु एकत्रित किए गए। शिविर में उपस्थित पशुपालकों को बीमारी से बचाव हेतु आवश्यक सुझाव दिए गए। शिविर में पशुचिकित्सक डॉ. ललित पाटीदार, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. संतोष मण्डलोई व कर्मचारियों द्वारा कार्य किया गया।

# वार्ड क्रमांक 16 के 100 भाजपा कार्यकर्ता जयस में हुए शामिल

**माही की गूंज, झाबुआ।**

जयस जिला अध्यक्ष विजय डामोर की उपस्थिति में बुधवार को झाबुआ नगर पालिका वार्ड क्रमांक 16 से 100 भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सज्जनसिंह भूरिया ने जयस की सदस्यता ली। जयस को मजबूत बनाने को लेकर सभी ने भाजपा छोड़कर जयस ली। संगठन को मजबूत बनाने को लेकर जयस ब्लॉक अध्यक्ष बंटी सिंगार ने कहा, झाबुआ ब्लॉक के एवं झाबुआ नगर में घर-घर पीली क्रांति को मजबूत करेंगे। जयस जिला कार्यवाहक अध्यक्ष माधव सिंह डामोर ने कहा 15 लाख सदस्य पूरे जिले में बनाना है, उसके लिए बूथ लेवल कार्यकारिणी बनाएंगे।

जयस जिला उपाध्यक्ष आयुष ओहरी ने कहा, संगठन के मार्गदर्शन के अनुसार जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में सदस्य बनाएंगे।

# कन्या महाविद्यालय में हिन्दी दिवस का हुआ आयोजन

**माही की गूंज, बड़वानी।**

शासकीय कन्या महाविद्यालय बड़वानी में हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता पैदा करना एवं हिन्दी का हर क्षेत्र में विकास करना इसी उद्देश्य को लेकर महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर माँ सरस्वती को माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया एवं छात्राओं के द्वारा माँ सरस्वती की आराधना की गई।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मंजुला जोशी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि, हिन्दी हमारी मातृ भाषा है, और हिन्दी दिवस को मनाने का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि हिन्दी तो जन-जन के द्वारा बोली जाने वाली भाषा है। यह हमारी संस्कृति का परिचायक है, यह भाषा हमें एकता और अखण्डता के सूत्र में बांधती है। यह भाषा मनुष्य को आंतरिक सौन्दर्य का बोध कराती है। वात्सल्य, करूणा, ममता, दया इन विभिन्न रूपों को अभिव्यक्त करने की भाषा है। आज विदेशों में भी हिन्दी भाषा को बढावा देने हेतु विभिन्न संस्थाएँ चल रही है, जिनमें बच्चों के एडमिशन के लिए हिन्दी भाषा ज्ञान के साथ संस्कारों का बीजारोपण किया जा रहा है ताकि उन संस्थाओं में बच्चों को आसानी से प्रवेश मिल सके। हिन्दी विश्वभर के देशों में प्रमुख रूप से बोली जाने वाली मुख्य भाषाओं में से एक है। वर्तमान समय में हिन्दी के क्षेत्र में भी अनेक रोजगार की संभावनाएँ है। विदेश से आये प्रधानमंत्री टालस्टॉय जब भारत आये तो वह भारत के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से न मिलते हुए मुंशी प्रेमचन्द्र जी के गाँव लमही गए। अंत में उन्होंने अपने भाषण में कहा कि हमारे प्रसिद्ध धार्मिक ग्रंथो की भाषा हिन्दी ही है, जिनका आज विदेशो में उनकी भाषा में अनुवाद कर उन्हें पढ़ा और पढ़ाया जा रहा है। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि एसबीआई शाखा प्रबंधक सुमित ठाकुर ने बैंकिंग के क्षेत्र में हिन्दी की महत्ता और हिन्दी को बढ़ावा दिये जाने पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ. पुरुषोत्तम गौतम ने अपने उद्बोधन में व्यापार एवं व्यवसाय तथा 21वीं सदी में भी इन्टरनेट पर 90 प्रतिशत लोग हिन्दी का प्रयोग करते है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. विक्रम सिंह चौहान ने हिन्दी दिवस की महत्ता एवं उसके उद्देश्य पर अपनी बात रखते हुए हिन्दी में होने वाली वर्तनीगत शब्दार्थगत वाक्यगत शुद्धियों से छात्राओं को अवगत कराया गया एवं त्रुटि संशोधन पर अपनी बात रखी।

कार्यक्रम समापन के अवसर पर आभार प्रो. अनिल राठौर ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय का स्टॉफ डॉ. वंदना भारती, डॉ. स्नेहलता मुझाल्दा, डॉ. जगदीश मुजाल्दे, डॉ. मनोज वानखेड़े, डॉ. महेश निंगवाल, डॉ. दिनेश सोलंकी, डॉ. रोहित पाटीदार, डॉ. लखन परमार, डॉ. शोभाराम वास्केल, डॉ. शिल्पी गुप्ता, प्रो. दिपाली पाटीदार, प्रो. शर्मिला बघेल, प्रो. प्रियंका शर्मा, प्रो. कामना भायल एवं समस्त स्टॉफ व छात्राएं उपस्थित रही।

# कांग्रेस व भाजपा ने नगर पालिका हेतु उम्मीदवारों की घोषाणा की

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नगर निकाय चुनाव हेतु मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त जिले के चुनाव प्रभारी हेमंत पाल ने जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष महेश पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर एवं क्षेत्रीय विधायक मुकेश पटेल की अनुशंसा पर अलीराजपुर नगर पालिका परिषद चुनाव हेतु वार्ड उम्मीदवारों की घोषणा की। जिला कांग्रेस कमेटी ने उन्हें अधिकृत रूप से प्रत्याशी घोषित किया था।

### 18 में से 3 वार्ड होल्ड पर

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी सूची में वार्ड के अधिकृत उम्मीदवारों की सूची में वार्ड क्रमांक 1 से अनामिका नितिन पटेल, वार्ड क्रमांक 2 से होल्ड, वार्ड क्रमांक 3 से चंदा मोहित कुमरावत, वार्ड क्रमांक 4 से नेहा राजेश जायसवाल, वार्ड क्रमांक 5 होल्ड, वार्ड क्रमांक 6 राहबाई कृष्णा, वार्ड क्रमांक 7 से राजेंद्रसिंह राठौर, वार्ड क्रमांक 8 से प्रियंका दिलीप रावत, वार्ड क्रमांक 9 से दिलीप बाबूसिंह रावत, वार्ड क्रमांक 10 होल्ड, वार्ड क्रमांक 11 से पल्लवी चीतल पवार, वार्ड क्रमांक 12 से मोहम्मद साबिर, वार्ड क्रमांक 13 होल्ड, वार्ड क्रमांक 14 निधि योगेश थेपड़िया, वार्ड क्रमांक 15 से रौशनी अजहर चंदेरी, वार्ड क्रमांक 16 से दिनेश प्रजापति, वार्ड क्रमांक 17 से समर थलाल राठौड़, वार्ड क्रमांक 18 से सेना महेश पटेल को पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार बनाया गया है। बाकी वार्डों के उम्मीदवार शीघ्र ही घोषित कर दिए जायेंगे।

### भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की सूची

नगर पालिका चुनाव के लिए भाजपा ने अपने अधिकृत उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। लंबी बैठकों का दौर चला, लंबे मंथन के बाद बीजेपी ने ये सूची जारी की है। क्योंकि एक वार्ड से कई दावेदार भाजपा से टिकट मांग रहे थे। ऐसे में पार्टी को प्रत्याशी चयन करने में देर लगी।

पार्टी ने उन्ही दावेदारों को अधिकारिक प्रत्याशी बनाया है, जिनके नाम अपनी संभावित सूची में पहले ही जारी कर दिए थे।

# गोवंश में लम्पी बीमारी का प्रकोप, वैक्सीनेशन हेतु पशुपालकों को सलाह

माही की गूंज, आम्बुआ।

पशुओं में विशेषकर गोवंशो में वर्तमान समय में जानलेवा बीमारी लम्पी वायरस का असर आम्बुआ तथा आसपास के क्षेत्रों में देखने को मिलने लगा है। पशुचिकित्सा विभाग की अपील है कि, पशुपालक तत्काल पशु चिकित्सा विभाग में संपर्क करें ताकि ऐसे बीमार पशुओं का टीकाकरण एवं इलाज किया जा सके।

गूंज आम्बुआ संवादाता के अनुसार गोवंश जो कि बाजार में आवारा घूमते हैं, यह पालतू होते हुए भी इनके मालिकों ने इन्हें आवारा छोड़ रखा है। जो गाय दूध देती है उन्हें घर पर बांधकर रखा जाता है शेष को छोड़ दिया जाता है फिर उनकी कोई देखभाल नहीं होती है। वह बाजारों में कचरा कूड़ा तथा प्लास्टिक खाने को मजबूर है। कुछ ऐसे ही आवारा जानवर बीमारियों का शिकार होकर जहां-तहां दम तोड़ देते हैं। वर्तमान में ऐसे गोवंशो में जानलेवा लम्पी बीमारी का प्रकोप हो रहा है। यह बीमारी आम्बुआ क्षेत्र में देखने को मिल रही है। चूंकि पशु पालक ध्यान नहीं देते हैं ऐसी स्थिति में उनका समुचित इलाज संभव नहीं हो पा रहा है।

हमारे प्रतिनिधि ने आम्बुआ स्वास्थ्य केंद्र पर कार्यरत चिकित्सक डॉ. सोमला भाबर से जब चर्चा की तो उन्होंने बताया कि, इस बीमारी का टीका आ गया है हमें जब भी सूचना मिलती है हम जाकर टीकाकरण तथा इलाज कर रहे हैं। पशुपालकों से भी अपील है कि, वे अस्पताल लाकर टीकाकरण और इलाज कराएं अथवा हमसे संपर्क करें ताकि हमारी टीम जाकर इलाज कर सके। अभी हम लोग ग्रामीण फलियों में टीकाकरण तथा बीमार गोवंशो का इलाज कर रहे हैं।

# कचरा पेटी का सदुपयोग न कर बाहर फेंक रहे कचरा

### गंदगी तथा बीमारियों को न्योता

माही की गूंज, आम्बुआ।

ग्राम में अभी संपूर्ण कस्बे में कचरा पेटी रखी जानी है, मगर प्रयोग के तौर एक कचरा पेटी पंचायत परिसर के पास रखी गई है। जिसमें कचरा डालने की बजाय कई लोग बाहर कचरा डालकर गंदगी फैला रहे हैं।

आम्बुआ ग्राम पंचायत में नवनिर्वाचित सरपंच, उप सरपंच एवं पंचों ने सामूहिक निर्णय के अनुसार कस्बे में विभिन्न स्थानों पर कचरा पेटी रखी जाना है। ताकि कस्बे में स्वच्छता रह सके तथा सफाई कर्मी एक स्थान से कचरा उठा सके। इसी कड़ी में पंचायत प्रांगण में एक नेडाप का निर्माण कराया गया तथा एक कचरा पेटी कृषि विस्तार अधिकारी निवास के पीछे तथा सहकारी संस्था की ओर जाने वाली गली में रखी गई। एक कदम स्वच्छता की ओर का नारा लिखी हुई प्लास्टिक की पेटी में आसपास के रहवासियों को घरों का कचरा डालना है। मगर देखा जा रहा है कि, अधिकांश रहवासी (नागरिक) कचरा डिब्बे में डालने की बजाय बाहर फेंक रहे हैं। जिस कारण वहां आसपास गंदगी फैल रही है। निकलने वालों को परेशानी होती है। हालांकि यह गली (रास्ता) आस-पास हो रहे भवन निर्माण के कारण रेत-गिट्टी आदि के कारण पूरा रास्ता भरा पड़ा है। जिससे भी आने-जाने वालों को परेशानी हो रही है। स्थानीय प्रशासन की नागरिकों विशेषकर कचरा पेटी जहां रखी है। उस क्षेत्र के रहवासी घरों का कचरा पेटी में ही डालें तथा स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

# म.प्र. महिला कांग्रेस सचिव ने छोड़ा कांग्रेस का साथ

माही की गूंज, अलीराजपुर।

चुनावी हलचल में बुधवार को मध्य प्रदेश की महिला कॉंग्रेस की सचिव शोभना ओंकार ने आज अपने पद व पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने निज निवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात मीडिया को बताते हुए अपनी पीड़ा बताई। उन्होंने बताया कि, जिस पार्टी में सम्मान नहीं वहां केसे काम करे।

बता दे कि, सोभना ओंकार पिछले 33 वर्षों से कॉंग्रेस में थी, साथ ही पिछले सात वर्षों से महिला कॉंग्रेस की प्रदेश सचिव भी रही। उन्होंने अपनी पिडा बताते हुए कॉंग्रेस के पदाधिकारियो पर आरोप लगाया है कि, उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। साथ ही उनके साथ कॉंग्रेस में सौतेला व्यवहार किया जाता है।

मिडिया के सवालो के जवाब देते हुए बताया कि, अभी किसी भी पार्टी में नहीं जाऊंगी। आगे जो भी स्थिति बनेगी देखेगे। साथ ही यह भी कहा कि, राजनीति मेरे खुन में बसी है, राजनीतिक तो करुंगी।

अब देखना है शोभना ओंकार किस पार्टी का दामन थामती है। हालांकि नगरिय निकाय चुनाव में इससे पार्टी को बडा नुकसान हो सकता है।

# उड़द फसल पर येलो मोजेक का साया, प्रभावित होगा उत्पादन

### क्षेत्र में कृषि विस्तार अधिकारी नहीं होने से कृषकों को नहीं मिलती सलाह

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ ही नहीं अपितु संपूर्ण अलीराजपुर जिले में विगत वर्षों से उड़द की फसलें चौपट होती आ रही है। उड़द क्षेत्र की प्रमुख दलहन तथा आर्थिक (नगद) फसल मानी जाती है। इसके खराब होने से कृषकों को भारी हानि उठाना पड़ रही है। क्षेत्र में विगत 3 वर्षों से कृषि विभाग का कोई भी कर्मचारी नहीं होने से कृषकों को खेती संबंधी कोई सलाह तथा मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा है विभाग इस ओर उदासीन बना हुआ है।

गूंज संवाददाता को क्षेत्र के सरपंच रमेश रावत, कृषक राजेंद्र सिंह राठौर, नारायण सिंह, रूमसिंह भूरिया, वेस्ता भाई, ग्राम बड़ी के कृषक राजू पटेल, भोरदू के कृषक कमलसिंह कनेश, आम्बी के कृषक लोगसिंह बामनिया, टैमाची के कृषक प्रेमसिंह कनेश आदि ने बताया कि, विगत लगभग चार-पांच वर्षों से क्षेत्र की प्रमुख फसल येलो मोजेक या पीलिया की बीमारी से खराब होती आ रही है। खेतों में जब फसल फूलने-फलने की स्थिति में आती है तो यह रोग उसमें लग जाता है तथा पूरे खेत पीले पड़ जाने से उड़द में फलिया नहीं लगती है। धीरे-धीरे पौधे पूरी तरह खराब हो जाते हैं जिस कारण कृषकों को जिन्होंने महंगा खाद बीज खेतों में डाला वह सब बेकार हो जाने से कृषक कर्ज के बोझ तले दबने को मजबूर हो रहे हैं। कृषि विभाग खेतों में फसल चक्र बदलने का कहते आए हैं जिसका भी कोई लाभ नहीं मिला है। उड़द फसल की उपज से प्राप्त आय से कृषकों का पूरे वर्ष भर का खर्चा आदि चलता है। इन फसलों से इतनी आई नहीं होती है। बार-बार प्रतिवर्ष खराब होती फसल के कारण कई कृषकों ने उड़द बोना ही बंद कर दिया, जिस कारण उड़द का रकबा कम होता जा रहा है।

आम्बुआ तथा आसपास के क्षेत्र में विशेषकर आम्बुआ मुख्यालय पर विगत लगभग तीन वर्षों से कृषि विस्तार अधिकारी नदारद है और जिला कृषि विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। कृषकों के पास जिला स्तर के कृषि अधिकारियों के संपर्क नंबर नहीं होने से उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। कृषि विस्तार अधिकारी (ग्राम सेवक) नहीं होने से कृषकों को खाद बीज दवाइयां तथा कृषि उपकरणों का वितरण भी नहीं किया जा रहा है। यह सामग्री कहां वितरण हो रही है यह भी पता नहीं है। कृषकों की मांग है कि, कृषि विस्तार अधिकारी की तत्काल नियुक्ति एवं मुख्यालय आम्बुआ किया जाए।

# स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए किया बसों का निरीक्षण

### 42 बसे व 2 मैजिक वाहन का किया निरीक्षण, 4 बसों की फिटनेस निरस्त की गई

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

जिला कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के निर्देश पर स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए जिला परिवहन अधिकारी दीपक माझी तथा ट्रैफिक सूबेदार द्वारा मंगलवार को जावरा पब्लिक स्कूल, सेंट पॉल स्कूल एवं स्कॉलर स्कूल की बसों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मानकों के अनुरूप स्पीड गवर्नर तथा सीसीटीवी कैमरे नहीं होने एवं अन्य कमियां पाए जाने पर 4 बसों की फिटनेस निरस्त की गई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी गाइडलाइन के तहत 42 बसें, 2 मैजिक वाहन चेक किए गए। इसके अलावा परमिट नहीं होने पर एक मैंजिक जप्त की गई। साथ ही चार वाहनों पर 54 हजार 400 रूपए की चालानी कार्रवाई भी की गई। इस दौरान सभी ड्राइवरों को नियमों दिशा निर्देशों के बारे में समझाईश दी गई, काउंसलिंग की गई। इसके अलावा अधिकारियों द्वारा सात दिवस के अंदर सभी दस्तावेज एवं गाइडलाइन के पालन हेतु स्कूल को नोटिस जारी किया गया। सात दिवस के भीतर ड्राइवर का पुलिस वेरिफिकेशन, वर्दी, नेम प्लेट एवं सभी दस्तावेज पूर्ण नहीं करने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

# पंसारी की दुकान से हाथी दांत का चूरा, समुद्री वनस्पति, लाल चंदन जप्त

### वन विभाग ने मारा छापा, विदेशों से जुड़े हो सकते है तार

खंडवा।

जिले में जड़ी-बूटियां बेचने वाले प्रसिद्ध व्यापारी नत्थू पंसारी और श्री पंसारी की दुकान व गोदाम पर वन विभाग ने छापा मारकर प्रतिबंधित सामग्री जब्त की है। नत्थू पंसारी की दुकान से 20 किलो गंधक (ज्वलनशील पदार्थ), हाथी दांत का चूरा, सीफेन (समुद्री वनस्पति) और लाल चंदन बड़ी मात्रा में जब्त किया है। दोनों दुकान व गोदाम को वन अफसरों ने सील कर दिया है। व्यापारी सामग्री को दुकान के पिछले हिस्से में डिब्बे के अंदर छुपा कर रखते थे। गिरफ्त में लेने के बाद अब व्यापारियों से पूछताछ की जा रही है।

खंडवा के बुधवारा बाजार में जड़ी-बूटियां बेचने वाले नत्थू पंसारी व श्री पंसारी नामक दुकाने हैं। यहां मंगलवार रात वन विभाग के डीएफओ देवांशु शेखर के निर्देश पर एसडीओ अनुराग तिवारी, रेंजर नितिन राजोरिया व वनकर्मी मयंक चौबे ने दल-बल के साथ दोनों दुकानों पर कार्रवाई की। छानबीन के दौरान दुकानों से प्रतिबंधित समुद्री वनस्पति, जंगली जानवरों से जुड़े दांत, नाखून, लाल चंदन व गंधक सहित अन्य सामग्री बड़ी मात्रा में जब्त की गई है। ये सामान उन्होंने दुकान के पिछले हिस्सों में डिब्बों में छिपाकर रखी थी।

दूसरी ओर विभाग की दो टीम इनके माता चौक स्थित गोदाम पर भी पड़ताल करने पहुंची। वहां से भी समुद्री वनस्पतियां व अन्य सामान जब्त कर दुकान व गोदामों को सील कर दिया है। समय कम होने के कारण दुकान व गोदाम की पूरी तरह छानबीन नहीं की जा सकी ओर बुधवार को फिर से टीम यहां छानबीन की। पूछताछ के लिए वन अफसरों ने नत्थू पंसारी दुकान के संचालक गोविंद अग्रवाल, बेटे नितिन व श्री पंसारी दुकान के संचालक अजय व गौरव अग्रवाल को हिरासत में लिया है।

### समुद्री वनस्पति तांत्रिक क्रियाओं में होती है उपयोग

वाइल्ड लाइफ के अधिकारियों ने बताया कि, गंधक ज्वलनशील पदार्थ होता है। जो दुकानों में रखना प्रतिबंधित है। नत्थू पंसारी की दुकान में रखा 20 किलो गंधक दुकान ही नहीं आसपास के इलाके को जलाने के लिए काफी था। समुद्री वनस्पति दवाइयों के साथ तांत्रिक क्रियाओं में भी उपयोग की जाती है।

### दूसरे प्रदेशों से भी जुड़े हैं तार, नेटवर्क तलाश रहे अफसर

नत्थू पंसारी की दुकान संचालक का माता चौक पर घर और गोदाम के अलावा बड़ी नर्सरी भी है जहां वह खुद जड़ी-बूटियों के लिए पौधों को उगाता है। पंसारी जिले में ही नहीं इंदौर समेत अन्य प्रदेशों में भी माल की सप्लाई करता है। इनके पास मिली समुद्री वनस्पति, जंगल की प्रतिबंधात्मक लकड़ियां जैसे लाल चंदन व जंगली जानवरों के अंग कहां से आए इसके बारे में पूछताछ की जा रही है।

खंडवा डीएफओ देवांशु शेखर ने बताया कि, इंटेलिजेंस के माध्यम से हमें सूचनाएं मिल रही थी। इसी आधार पर नत्थू पंसारी और श्री पंसारी की दुकान पर छापामार कार्रवाई की गई है। दोनों ही दुकान से कई संदिग्ध चीजें मिली हैं। कुछ चीजें पाउडर फॉर्म में हैं। अभी पता लगाया जा रहा है कि वह जो सामग्री बेच रहे हैं उनका उसके पास प्रॉपर लाइसेंस है या नहीं। जो चीजें मिली है वह अवैध व्यापार में आती है पूछताछ कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

**मामला:** भाजपा मंडल अध्यक्ष द्वारा कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन फार्म लेकर भाग जाने का

# भाजपा के नुमाइंदे एक से बढ़कर एक दिखा रहे अपनी करतूत...

## क्या गोलू को चुनाव में स्टम्प बोल्ड होने का हो गया था आभास तो टांग बीच में लाकर हो गया एलपीडब्ल्यू आउट

माही की गूंज, संजय भटेवरा

**झाबुआ।** भाजपा भले ही चाल, चरित्र और चेहरे की पार्टी होने की बात कहती है और पार्टी को अपनी मां कहते हैं। परंतु भाजपाईयो के नुमाइंदों की एक से बढ़कर एक करतूत देखकर तो यही कहा जा सकता है कि, ''आखिर यह कैसा भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा''...?

झाबुआ जिले की वर्तमान स्थिति की ही बात करें तो, यहां भाजपा के शीर्ष पद पर बैठे नेताओं की करतूत आम-जन के सामने है, जैसे भाजपा अध्यक्ष का महिलाओं के प्रति नजरिया...? तथा सांसद की कथनी व करनी भी किसी से छुपी नहीं है। इन्हीं के बीच एक और भाजपा के नुमाइंदे, थांदला मंडल अध्यक्ष संदीप उर्फ गोलू पिता दिनेशचंद्र उपाध्याय की सामने आई है। जिससे हर कोई अचंभित है कि, आखिर गोलू ने ऐसा कर एलपीडब्ल्यू होकर अपने आप को आउट क्यों कर लिया...?

जिले में झाबुआ, राणापुर, पेटलावद व थांदला इन 4 जगहों पर नगरीय निकाय चुनाव होना है। उक्त चुनाव के नाम निर्देशन फार्म भरकर संपूर्ण चुनावी तैयारियां हो चुकी है। चुनाव के चलते जिले की राजनीति भी दोनों मुख्य पार्टियों भाजपा, कांग्रेस के साथ जयस सदस्यों की उम्मीद्वारी व आम-आदमी पार्टी ने भी अपनी दस्तक नगरीय निकाय चुनाव में देकर जिले की राजनीतिक हलचल चरम पर है। इसी बीच भाजपा के एक नुमाइन्दे थांदला मंडल अध्यक्ष संदीप उर्फ गोलू उपाध्याय ने एक अलग ही रहस्यमय घटनाक्रम को अंजाम देकर जिले की राजनीति में अलग ही एक हलचल पैदा कर दी है।

घटना कुछ इस तरह की घटित की गई कि, 12 सितंबर सोमवार को नाम निर्देशन फार्म भरने के अंतिम दिन दोपहर में थांदला के वार्ड क्रमांक 5 के कांग्रेस प्रत्याशी मनीष बघेल ने अपना नामांकन फार्म चुनाव अधिकारी को जमा करवा दिया एंव उक्त नामांकन फार्म की जांच की जा रही थी और उसी समय गोलू उपाध्याय, कांग्रेस प्रत्याशी मनीष बघेल का नामांकन फार्म लेकर निर्वाचन कार्यालय से भाग निकला। उक्त घटनाक्रम होते ही किसी को कुछ समझ में नहीं आया और निर्वाचन अधिकारी एवं तहसील कार्यालय के चपरासी उसके पीछे भागे, परंतु गोलू उपाध्याय नामांकन फार्म के साथ ओझल हो गया। जिसके बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कुछ समय के लिए निर्वाचन कार्य भी प्रभावित हो गया।

### रिटर्निंग अधिकारी के निर्देश पर 2 घंटे में हो गया मामला दर्ज

गोलू उपाध्याय द्वारा उक्त घटना को अंजाम देने के बाद एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी अनिल भाना के निर्देशन में तहसील कार्यालय के चपरासी की रिपोर्ट पर व कमलनयन पटेल के प्रतिवेदन पर थांदला थाने में संदीप उर्फ गोलू उपाध्याय के विरुद्ध निर्वाचन कार्य में बाधा उत्पन्न करने के तहत धारा 353 में मामला पंजीकृत हो गया है। भाजपा नेताओं को जब तक घटनाक्रम पूरी तरह से समझ में आता जब तक बात हाथ से निकल चुकी थी।

### भाजपा वीडियोग्राफी से छेडछाड़ कर मामले में बचने का कर रही प्रयास

भाजपा मण्डल अध्यक्ष संदीप (गोलू) उपाध्याय इस फोटो के तर्ज पर ही मुछो पर ताव देकर निर्वाचन कार्यालय से कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन फार्म लेकर भागा।

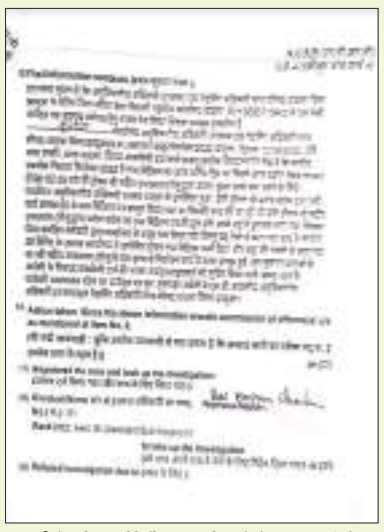

चपरासी से दर्ज करवाई रिर्पोट, एफआईआर में गोलु उपाध्याय के पिता का नाम भी नही बता पाए रिर्पोटकर्ता।

गोला नं. 1 में भाजपा का संदीप (गोलु) उपाध्याय घटना को अंजाम देने के पुर्व ही निर्वाचन कार्यालय परिसर में गोला नं.2 में चुनाव प्रभारी गुरूप्रसाद अरोड़ा व गोला नं. 3 में प्रतिद्वंदी मनीष बघेल आदि कांग्रेसियो से चर्चा करते हुए।

वार्ड क्रं.5 के कांग्रेस प्रत्याषी मनीष बघेल।

मामले में जहा तक जानने का प्रयास किया है, उसमे संदीप उर्फ गोलु उपाध्याय नामनिर्देषन की अंतिम दिनांक 12 सितम्बर के पुर्व ही अपना नामांकन फार्म जमा कर चुके थे। तो अब सवाल यह उठता है कि, आखिर किस कार्य के साथ निवार्चन कार्यालय जहा नामांकन फार्म जमा हो रहे थे, के चेम्बर तक पहुचे...? और चुनाव आयोग को तमाचा मारते हुए, निर्वाचन कार्यालय से अपने प्रतिद्वंदी का नामाकंन फार्म लेकर रफु-चक्कर हो गया। चुनाव आयोग के निर्देषन एंव व्यवस्था अनुसार सम्पुर्ण निर्वाचन उर्फ नामांकन प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरो में कैद होने के साथ, सारी प्रक्रिया सम्पन्न की जाती है।

इसी व्यवस्था के तहत तय है थांदला के निर्वाचन कार्यालय में पुर्णतः सीसीटीवी कैमरे लगे होकर सारी निर्वाचन नामांकन प्रक्रिया कैमरे में कैद होकर 12 सितम्बर की सम्पुर्ण घटना निर्वाचन आयोग के समक्ष होगी। जिसमें भाजपा का नुमाइन्दा उर्फ थांदला का मण्डल अध्यक्ष संदीप उर्फ गोलु उपाध्याय ने किस तरह से घटना को अंजाम देने का प्रयास किया। इसी आधार पर गोलु उपाध्याय की कारस्तानी के साथ भाजपा की कथनी व करनी किस निचले स्तर तक की है, यह चुनाव आयोग के सीसीटीवी कैमरे फुटेज के साथ पुर्णतः खुलासा हो जायेगा। परन्तु कहते है, सत्ता के साथ शानपत नही चलती और सत्ताधारी अपने आप को बचाने के लिये किसी भी हद तक चले जाते है। इसी तर्ज पर भाजपा अपनी सत्ता के प्रभाव के साथ सीसीटीवी कैमरे में छेड़छाड करवाकर मामले को दबाने का प्रयास हर स्तर तक कर रही है।

### कांग्रेसी राजनीति का शिकार हो गई भाजपा के गोलु की दोस्तानी

थांदला से झाबुआ तक की गलियो में मनीष बघेल व गोलु उपाध्याय के दोस्ताने की भी चर्चा चरम पर है। कहने को भले ही मनीष बघेल व गोलु उपाध्याय कांग्रेस, भाजपा की राजनीति विचारधारा से विरोधी हो, परन्तु हर मामले में अपने दोस्ताने के साथ एक साथ रहकर चित भी मेरी, पट भी मेरी की तर्ज पर सत्ता के रथ के दो पहीये है। वही इस राजनीति के चर्चा के दौर में गोलु और मनीष कभी एक-दुसरे के सामने चुनाव नही लड़ सकते है। इसलिए मनीष बघेल ने पहले वार्ड क्रं. 6 से पत्नी अनिता मनीष बघेल के नाम से फार्म भरा था। कांग्रेसी सुत्रो के अनुसार मनीष और गोलु की यह दोस्ताना प्लानिंग कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओ के सामने आ गई, जिसके चलते फार्म भरने के अंतिम दिन वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओ के दबाव व निर्देषन में मनीष वार्ड 5 से फार्म भरने पहुचा था। वही गोलु यह कभी नही चाहता था कि, मनीष उसके वार्ड से ही प्रत्याषी बने। नतीजन गोलु कांग्रेसी नेताओ के चक्रव्युह और प्रषासनिक साख को बचाने वाले घोडो की टाप के नीचे आ गया।

### कांग्रेस, भाजपा नेता एक साथ थाने पर दिखे

प्रशासन के एफआईआर करवा देने के बाद हर कोई सख्ते में आ गया। एफआईआर के तुरंत बाद भाजपा व कांग्रेस के कई नेता एक साथ थाना परिषद् में दिखाई दिये। जो थाना परिषद् की सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है। वही मनीष बघेल, गोलु द्वारा फार्म लेकर जाने के बाद प्रषासनिक अधिकारीयो की नौकरी खाने और निर्वाचन आयोग तक जाने की बात ऊचे स्वर में कह रहा था और एफआईआर की बात पर अपनी बात से पलट रहा था। हालाकी गोलु की गलती को लेकर मनीष कोस जरूर रहा था।

### विडीयोग्राफी के साथ कॉल डिटेल की भी हो जांच

इस मामले मे विडीयोग्राफी के साथ गोलु उपाध्याय के काल डिटेल पर पुलिस ध्यान दे तो, गोलु उपाध्याय के तर्क का खुलासा हो सकता है। की क्या वास्तविक में गोलु उपाध्याय के घर से फोन आया और वह गलती से मनीष बघेल का नामांकन फार्म लेकर चला गया था...?

वही गोलु उपाध्याय के विरूद्ध लिखाई गई रिर्पोट में उल्लेख किया है कि, गोलु उपाध्याय अपना दुसरा फार्म निर्वाचन कार्यालय में जमा करने आया था और मनीष बघेल का नामांकन फार्म लेकर भाग गया तथा 30 मिनिट बाद आकर उक्त नामांकन फार्म लेकर गलती से चला गया था। वही कमलनयन पटेल एंव रिर्पोटकर्ता तोकीर खान ने अपनी रिर्पोट में संदीप उर्फ गोलु उपाध्याय के पिता का नाम नही पता होना बताया...?

जबकि संदीप उर्फ गोलु उपाध्याय अंतिम दिनांक के पुर्व नामांकन भर चुका है। जिसमें अपने पिता का नाम दर्ज किया, वही प्रषासनिक रिर्पोट में पुनः बताया गया कि, दुसरा फार्म गोलु भरने आया था। तो प्रषासन किस नियत से अपने बचाव मुद्रा मे कह रही है वो तो वे ही जाने। परन्तु उनकी बात सही माने तो पिता के नाम की जानकारी नही होना रिर्पोट में बताना ही कई सवालो को खड़ा करता है...! इसलिये विडीयोग्राफी के साथ काल डिटेल की जांच की जाये तो प्रषासन द्वारा लिखी रिर्पोट और गोलु उपाध्याय द्वारा की गई घटना व किस कार्य व नियत से निर्वाचन कार्यालय में गोलु आया था का खुलासा हो सकता है।

### भाजपा ने वार्ड क्रं. 5 को रखा होल्ड पर

थांदला के वार्ड क्रं. 5 से वैसे तो भाजपा समर्थित के साथ संदीप उर्फ गोलु दिनेषचन्द्र उपाध्याय, मुकरम अली तयब अली व किषोर आर्चाय पिता श्रीरंग आर्चाय ने नामनिर्देषन फार्म भरा है। वहीं कांग्रेस से मनीष शांतिलाल बघेल ने अपना नामांकन भरा है। कांग्रेस की लिस्ट से वार्ड क्रमांक 5 से मनीष बघेल को अपना उम्मीद्वार घोषित किया। वही भाजपा का प्रबल दावेदार वार्ड क्रमांक 5 से संदीप उर्फ गोलू उपाध्याय ही था परंतु उक्त घटना के बाद भाजपा ने 15 वार्डों में से 14 वार्डों की घोषणा मंगलवार की देर शाम को की, जिसमें वार्ड क्रमांक 5 को होल्ड पर रखा है। अब भाजपा अपना दांव किस पर लगाती है यह आज शाम तक पता चल ही जाएगा।

### गैर जमानती जुर्म में भाजपा जमानत करवाने में हुई सफल

यह हम पहले ही कह चुके हैं कि, सत्ता के आगे शानपत नहीं चलती है। भाजपा ने अपनी खोई हुई साख बचाने का प्रयास कर भोपाली दबाव के साथ निर्वाचन (सरकारी) कार्य में बाधा धारा 353 वैसे तो गैर जमानती जुर्म है। लेकिन भाजपा ने अपनी सरकार के प्रभाव के साथ मंगलवार देर शाम को ही अपनी तिकड़ी बिठाकर पुलिस से धारा 41 (क) का नोटिस जारी करवाकर, भाजपाई सूत्रों के अनुसार 6 अंको की राशि के जमानती मुचलके पर पुलिस ने जमानत दे दी है।

बता दे कि, हाईकोर्ट ने धारा 41 (क) में जिस अपराध में 7 वर्ष से कम की सजा है, उस अपराध में आरोपित के नाम से धारा 41(क) में पुलिस नोटिस जारी कर गैरजमानती जुर्म में भी मुचलके पर जमानत देने के संशोधन किए है। जिसके तहत पुलिस ने भाजपा के दबाव में 41 (क) का उपयोग कर संदीप उर्फ गोलू उपाध्याय को जमानत दे दी गई है कि, चर्चाए सार्वजनिक हो गई। परंतु पुलिस, मीडिया के सामने बचने की मुद्रा में दिखाई दे रही है।

**इस संबंध में जब थाना थांदला टीआई कौशल्या चौहान से माही की गूंज की सीधी बात बुधवार को 3 बजकर 55 मिनीट पर हुई, जिसमें संदीप उर्फ गोलू उपाध्याय की जमानत हो गई...?**

**जवाबः- जमानत अभी नहीं हुई।**

**सुनने में आ रहा है कि, धारा 41 के उपयोग के साथ मुचलके पर पुलिस ने जमानत दे दी है...?**

**जवाबः- अभी जमानत नहीं हुई है, पर इस संबंध में कानुनी राय ली जा रही है, टीआई ने बताया।**

### घटना के पहले कांग्रेस के चुनाव प्रभारी व मित्र उर्फ प्रतिद्वंदी मनीष बघेल से चर्चा करते नजर आए भाजपा के गोलू उपाध्याय

उक्त बचकानी हरकत के साथ नगरी निकाय चुनाव में राजनीतिक चर्चाओं में भाजपा बेकफुट पर नजर आ रही है। वहीं भाजपा के संदीप उर्फ गोलू उपाध्याय ने जिस विरोधी पार्टी कांग्रेस के वार्ड क्रमांक 5 के प्रत्याशी मनीष बघेल का नामांकन फार्म लेकर भागा, उसके पूर्व ही निर्वाचन एंव एसडीएम कार्यालय परिसर में ही कांग्रेस के थांदला चुनाव प्रभारी गुरुप्रसाद अरोड़ा, मित्र उर्फ प्रतिद्वंदी मनीष बघेल आदि कांग्रेसियों से भाजपा के गोलू उपाध्याय राजनीतिक चर्चा करते नजर आए। जिसका फोटो भी माही की गूंज के पास उपलब्ध होकर चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं गोलू उपाध्याय की उक्त हरकत यह बताती है कि, नगरीय चुनाव में कांग्रेस के मनीष के सामने वह स्टम्प बोल्ड होने वाले थे, इसी अंदेषे के साथ अपने पैरो को उक्त घटना के साथ स्टम्प के आगे ले आये और एलपीडब्ल्यु आउट होने के साथ ही अपने राजनीतिक कैरियर की भी आत्महत्या कर दी।

**जवाबदारों ध्यान दो...**

## शहर में सीएम राइस और ग्रामीण में हम आपके है कौन

### सरकार की दोहरी निति का खामियाजा भुगत रहे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे, कक्षा 6 टी से 8 वीं तक 100 बच्चों पर मात्र एक शिक्षक

माही की गूंज, पेटलावद।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने ड्रीम प्रोजेक्ट सीएम राइस स्कूल पर लगातार तेज़ी से काम कर रहे है। नगर की उत्कृष्ट संस्था का पूरा नक्शा बदला जा रहा है करोड़ो रूपये की सामग्री और निर्माण कार्य किये जा रहे है। मुख्यमंत्री का उद्देश्य है, डिजिटल युग मे सरकारी स्कूल में बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले। लेकिन इस शिक्षा का केंद्र केवल शहरी और उसके आसपास लगा ग्रामीण क्षेत्र है जो सरकार की इस खास सुविधा का लाभ ले पायेगा। जबकि दूर दराज के ग्रामीण इलाकों में स्थित सरकारी स्कूलों की हालत बद से बदतर होती जा रही है, जहाँ व्यवस्था के नाम पर कुछ नही ओर शिक्षा के नाम पर एक या दो शिक्षक। बची कूची कसर भी सीएम साहब के सपने ने पूरी कर दी और कई ग्रामीण क्षेत्र की स्कूलों में बेहतर शिक्षा दे रहे शिक्षको को सीएम राइस में नोकरी के लिए चयनिय कर उस ग्रामीण स्कूल के बच्चों का भविष्य बर्बाद कर दिया।

### मिडिल स्कूल में 100 बच्चे एक शिक्षक, अतिथि शिक्षक के भरोसे स्कूल

विकास खण्ड के हमीरगढ़ स्कूल जहाँ मिडिल स्कूल पूरी तरह से अतिथि शिक्षको के भरोसे है। यहां के स्कूल में 100 से अधिक बच्चे अध्यनरत है और केवल एक ही सरकारी शिक्षक जिसके जिम्मे स्कूल की कागजी कार्यवाही की इतनी है कि चाह कर भी वो बच्चों को उचित शिक्षा नही दे सकता। हालांकि सरकारी स्कूलों में शिक्षको की पूर्ति के लिए अतिथि शिक्षक की भर्ती कर यहां भी तीन अतिथि शिक्षक रखे है। लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा सहायक आयुक्त और खंण्ड शिक्षा अधिकारी को भेजे गए पत्र में बताया गया कि, वर्तमान में पदस्थ अतिथि शिक्षक नियमित रूप से शिक्षा नही दे रहे है, इस सम्बध में ग्राम पंचायत 16 अगस्त को हुई विशेष ग्राम सभा मे सही मापदंड और पात्र व्यक्ति को ही अतिथि शिक्षक पद पर नियुक्ति देने का प्रस्ताव ठहराव बना चुका है।

### कई ग्रामीण स्कूलों से अच्छे शिक्षको की छुट्टी

सीएम साहब अपने सपने की स्कूल में कोई कमी नही रखना चाहते, इस चक्कर मे विकास खण्ड में पदस्थ कई चयनित हो गए। उसमे कई संस्था ऐसी भी है जहाँ पहले से एक या ही शिक्षक है वो भी अब पूरी तरह से अतिथि स्कूल के भरोसे हो गए है। एक को अछी शिक्षा देने के लिए दूसरे की अच्छी व्यवस्था छीनना कहा तक उचित है।

### आखिर कब सुधरेगी ग्रामीण क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था, भवन, मध्यान भोजन, शिक्षक कुछ भी सही नहीं

मध्यप्रदेश प्रदेश सरकार पहले से उत्कृष्ट, मॉडल स्कूल सहित क्रेंद सरकार के साथ एकलव्य परिसर, नवोदय जैसी संस्था संचालित कर रही है और अब सीएम राइस का नया प्रोजेक्ट शुरू हो गया। इन सब के बीच ग्रामीण क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था और लचर हो गई है। यहां ग्रामीण क्षेत्रो के ज्यादतर विषयों के विशेषज्ञों को सीएम राइस में लाने के लिए परीक्षा आयोजित कर दी। जिसमे ज्यादातर योग्य शिक्षक उत्तरीण होकर सीएम राइस स्कूल के लिए लिए

स्कूली भवन खंडहर और जर्जर हालत में है। मध्यान भोजन के नाम पर दाल-चावल दिए जा रहे है तो कई स्थानों पर बच्चों के नसीब मे ये भी नही है। शिक्षको के नाम पर विकास खण्ड के ग्रामीण स्कूलों की व्यवस्था अतिथि शिक्षकों के भरोसे है जो कि शिक्षण सत्र में बमुश्किल 6 से 7 माह रह पाते है। सरकार और प्रशासन को ग्रामीण स्तर की शिक्षा व्यवस्था पर सुधार के लिए काम करने की आवश्यकता है।

## चौकी प्रभारी बने सिंघम, सट्टा जुआ चलाने वालों की खेर नहीं

### किराना व्यापारी को सट्टा उतारते हुए दुकान से पकड़ा

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

बामनिया चौकी प्रभारी ने प्रभार लेते ही बामनिया में चल रहे अवैध कामो पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जुवे और सट्टे के जाल में फस कर कई घर बर्बाद हुए है। चौकी प्रभारी श्याम कुमावत ने सट्टा पकड़ने की कार्रवाई की है, जिसमे रतलाम रोड निवासी संजय मूणत की किराने की दुकान से एक हजार 280 रुपए का सट्टा पकड़ कर आरोपी को चौकी लाए व चालान बनाया।

वही चौकी प्रभारी श्याम कुमावत का कहना है कि, गांव में अपराध व अवेध काम बर्दाश्त नही किए जाएंगे। वही सट्टे वालो को सख्त हिदायत दी है कि, अब सट्टा व जुआ चलाते मिले तो सीधा जेल भेजूंगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422